सुविचार

रिश्तों की कदर भी पैसों की तरह ही करनी चाहिए क्योंकि दोनों को कमाना मुश्किल है पर गँवाना आसान।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

आयरलैंड ने भारत को हराकर पलट दिया टी20 क्रिकेट का इतिहास, टीम इंडिया को मिली शर्मनाक हार... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 176 | दिनांक : शनिवार, 27 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

भारतीय शिक्षा का दुनिया में डंका!

वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज की रेस में भारत के 7 स्कूल शामिल, ऐसा करने वाला इकलौता देश बना

लंदन (एजेंसी)– भारतीय शिक्षा जगत के लिए बहुत ही गर्व की खबर सामने आई है। लंदन में वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज 2026 के लिए दुनिया के टॉप 10 स्कूलों की शॉर्टलिस्ट जारी की गई है जिसमें भारत के रिकॉर्ड 7 स्कूलों ने अपनी जगह बनाई है। ये 7 स्कूल पूणे, जम्मू, लखनऊ और नोएडा में स्थित हैं। आइए जानते हैं उन स्कूलों के नाम और किस कैटेगरी में मिला है इनको स्थान।

इनोवेशन (Innovation) कैटेगरी में पुणे के कसारवाड़ी में स्थित पब्लिक स्कूल PCMC छत्रपति शाहूजी महाराज इंग्लिश मीडियम स्कूल और जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल, वुजूर ने टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। सामुदायिक सहयोग कैटेगरी में भारत के तीन स्कूलों को चुना गया है, जिसमें नोएडा का हेल्दी प्लैनेट TGA अर्ली इयर्स स्कूल, बेंगलुरु की इन्वेंचर एकेडमी और लखनऊ के गोमती नगर (विनीत खंड) का सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल शामिल है। पर्यावरण के लिए काम (Environmental Action) कैटेगरी में बेंगलुरु के यूरोस्कूल बैनरघट्टा को पर्यावरण की सुरक्षा और जागरूकता से जुड़े प्रयासों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

हिमाचल के रामपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

गहरी खाई में गिरी पिकअप, चालक समेत छह की गई जान

तकलेच-काशापाट मार्ग पर छाया मातम

रामपुर (एएम नाथ)– शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में शुक्रवार को तकलेच-काशापाट मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक पिकअप वाहन (एचपी-06बी-2420) अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि वाहन में सवार चालक समेत सभी छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना रामपुर की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने सभी शवों को खाई से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तकलेच पहुंचाया, जहां उनका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतकों की पहचान अभिषेक सैनी (23) पुत्र नर सिंह निवासी शरनाल, अशोक जैन (32) पुत्र दयाल जैन निवासी छल्टा, लायक राम (56) पुत्र स्वर्गीय मागू राम निवासी पट, नितिन जैन (23) पुत्र मैन राम निवासी छल्टा, आशा कुमारी (40) पत्नी सत्य प्रकाश आजाद निवासी गांव कवानू, जिला कुल्लू तथा 12 वर्षीय उगल आजाद पुत्र सत्य प्रकाश आजाद के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन तकलेच से काशापाट की ओर जा रहा था, तभी चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सड़क से नीचे जा गिरी। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया है।

वेनेजुएला में भीषण भूकंप से तबाही, 235 मौतों की पुष्टि

राहत कार्य में चुनौतियाँ, लोग अपनों की तलाश में जुटे

वेनेजुएला (एजेंसी)– वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंपों ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक 235 लोगों की मौत और हजारों के घायल होने की पुष्टि हुई है। कई शहरों में इमारतें ढह गईं और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, जबकि कई क्षेत्रों में संचार और परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। भूकंप के बाद प्रभावित क्षेत्रों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं और अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं। कई जगहों पर स्थानीय लोग ही मलबा हटाने का काम कर रहे हैं क्योंकि भारी मशीनों की कमी बताई जा रही है। घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने में भी मुश्किलें आ रही हैं। ला ग्वायरा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित बताया जा रहा है, जहां हवाई अड्डे के बंद होने से राहत कार्य और धीमा हो गया है। इस आपदा के बाद कई देशों ने वेनेजुएला को राहत सहायता भेजने की पेशकश की है।

नशे के खिलाफ केंद्र का बड़ा रोडमैप

100 बड़े ड्रग कार्टेल पर होगी कार्रवाई, देशभर में एक साथ चलेगा अभियान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 जून (एएम नाथ)

केंद्र सरकार ने देश को नशा मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रोडमैप तैयार किया है। इसका मकसद ड्रग तस्करी के पूरे नेटवर्क को तोड़ना और नशे की लत से प्रभावित लोगों को इलाज व पुनर्वास की बेहतर सुविधा देना है। सरकार का कहना है कि यह रणनीति सिर्फ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी।

इसके तहत रोकथाम, इलाज, जागरूकता और कानूनी सुधार पर भी एक साथ काम किया जाएगा। इस रोडमैप के तहत 40 से अधिक मंत्रालय, केंद्रीय एजेंसियां, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थान और सामाजिक संगठन मिलकर काम करेंगे। मकसद पूरे देश में नशे के खिलाफ एक समान व्यवस्था लागू करना है।

सरकार अब केवल छोटे तस्करों या ड्रग्स ले जाने वालों पर कार्रवाई नहीं करेगी। जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क को निशाना बनाएंगी। इसमें सप्लायर, फाइनेंसर, हैंडलर और संगठित अपराध से जुड़े गिरोह शामिल होंगे।

100 बड़े ड्रग कार्टेल होंगे खत्म

रोडमैप के तहत मिशन मोड में अभियान चलाया जाएगा। खुफिया जानकारी के आधार पर देश और विदेश से जुड़े 100 बड़े ड्रग कार्टेल की पहचान की जाएगी। उनके खिलाफ समन्वित कार्रवाई होगी और उन्हें खत्म करने की कोशिश की जाएगी।

पैसों के स्रोत पर भी होगी नजर

बड़े ड्रग मामलों में वित्तीय जांच अनिवार्य होगी। अवैध संपत्ति जब्त की जाएगी। ड्रग कारोबार से जुड़े पैसों के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाएगा, ताकि तस्करी की आर्थिक कमर तोड़ी जा सके।

सरकार सीमा क्षेत्रों, हवाई अड्डों और समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाएगी। इसके लिए एंटी-ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), कंटेनर स्कैनिंग और आधुनिक निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा।

16वें भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए जापानी पीएम सनाए ताकइची 1-3 जुलाई को भारत दौरे पर

भारत-जापान साझेदारी को नई दिशा देगा मोदी-ताकइची शिखर सम्मेलन

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 जून (एएम नाथ)

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकइची प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 1 से 3 जुलाई 2026 तक भारत का आधिकारिक दौरा करेंगी। यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा। इस दौरान दोनों नेता 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन की संयुक्त अध्यक्षता करेंगे।

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि दोनों देश क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक सुरक्षा और आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह शिखर सम्मेलन द्विपक्षीय सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा करने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर देगा। रक्षा, निवेश, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, क्लीन एनर्जी और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहने की संभावना है।

यह दौरा अगस्त 2025 में पीएम मोदी के जापान दौरे के बाद हो रहा है। दोनों देशों के बीच 2000 से रणनीतिक साझेदारी और 2014 से विशेष रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। सम्मेलन में जापानी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा, जिससे आर्थिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है।

केंद्र की जैक्सन लेबोरेटरीज के खिलाफ सख्त कार्रवाई

पंजाब-हिमाचल का मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस रद्द

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 जून (ब्यूरो)

केंद्र सरकार ने जैक्सन लेबोरेटरीज के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी की पंजाब और हिमाचल प्रदेश स्थित निर्माण इकाइयों के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई सीडीएससीओ और दोनों राज्यों के ड्रग रेगुलेटर की संयुक्त जांच के बाद की गई।

राजस्थान में हुई उस घटना की जांच चल रही है, जिसमें मीडिया रिपोर्टों में कंपनी की ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को मातृ मृत्यु के मामले से जोड़ा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राजस्थान सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। जांच के दौरान कंपनी की फैक्ट्रियों में गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस से जुड़े कई नियमों में कमी पाई गई। संयुक्त निरीक्षण टीम की सिफारिश पर संबंधित राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने लाइसेंस रद्द करने का फैसला लिया। स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े सूत्रों कहना है कि दवा निर्माण में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों से समझौता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले की जांच अभी जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी भारत सरकार से इस मामले में अतिरिक्त जानकारी मांगी है। मंत्रालय के अनुसार, WHO की ओर से जानकारी मांगना सामान्य अंतरराष्ट्रीय निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है। WHO यह जानना चाहता है कि मामला केवल राजस्थान तक सीमित है या जिन अन्य देशों में यह दवा भेजी गई हो, वहां भी कोई जोखिम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि WHO द्वारा जानकारी मांगने का मतलब यह नहीं है कि उसने दवा या कंपनी को दोषी ठहरा दिया है। फिलहाल केंद्र सरकार राजस्थान सरकार की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीएम सुक्खू का कसौली दौरा, 20 करोड़ की सड़क सहित बड़ी घोषणाएँ

90.66 करोड़ की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, महिलाओं को पेंशन, स्कूल व बैंक शाखा जैसी सुविधाओं का विस्तार

» प्रथम न्यूज । सोलन

26 जून (बी शर्मा)

सोलन जिले के कसौली विधानसभा क्षेत्र की नेरी कलां पंचायत में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने व्यापक विकास योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और सरकार जनता की जरूरतों के अनुसार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कनाना में आयोजित जनसभा के दौरान जोहड़जी-मल्ला सड़क के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की पात्र महिलाओं को इंदिरा गांधी सुख सम्मान निधि के तहत 1500 रुपये मासिक पेंशन देने की शुरुआत की। यह योजना सोलन जिले की कुछ पंचायतों से प्रारंभ की गई है, जिससे महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की, जिनमें प्राथा विद्यालय को सीबीएसई से संबद्ध करना, क्षेत्र में जोगिंद्रा सहकारी बैंक की शाखा खोलना और चाटी ढांक में बांध निर्माण के लिए सर्वेक्षण शामिल है।

इसी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कुल 90.66 करोड़ रुपये की लागत से 12 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें

सड़क सुधार, पुल निर्माण और सरकारी भवनों के विकास से जुड़ी योजनाएँ शामिल हैं। प्रमुख परियोजनाओं में शालाघाट-अर्की-कुनिहार मार्ग पर 45 मीटर स्पैन का डबल लेन आर्च पुल, धर्मपुर में बीडीओ कार्यालय भवन तथा प्राथा स्कूल में विज्ञान भवन का उद्घाटन शामिल है।

इसके अलावा कई सड़कों के उन्नयन और निर्माण कार्यों की नींव रखी गई, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने विधायक विनोद सुल्तानपुरी की कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें सक्रिय और जुझारू नेता बताया।

ईरान युद्ध रोकने में बड़ा कदम

लेबनान, इजरायल और अमेरिका ने त्रिपक्षीय समझौते की घोषणा की

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 जून (एजेंसी)

लेबनान, इजरायल और अमेरिका ने शुक्रवार को एक त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद मध्य पूर्व के इन दो पुराने दुश्मनों के बीच शांति समझौते का रास्ता बनाना है। समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, हमें लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल की सरकार के बीच, अमेरिका की मध्यस्थता और समर्थन से हुए एक फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। रुबियो ने आगे कहा कि यह समझौता स्थायी शांति और सुरक्षा के लिए एक ढांचा तैयार करने की शुरुआत करता है।

चार दिनों की वार्ता के बाद समझौता

मंगलवार से शुरू हुई बातचीत के लिए दोनों पक्ष इस हफ्ते वॉशिंगटन, डीसी में जमा हुए थे। यह बातचीत अमेरिका की मध्यस्थता में चार दिनों तक चली। लेबनान में जारी लड़ाई की वजह से ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम की कोशिशों के बाधित होने का खतरा पैदा हो गया था। 17 जून को, अमेरिका और ईरान ने युद्ध को रोकने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए। उस 14-सूत्रीय दस्तावेज में लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से बंद करने की शर्त रखी गई थी।

अब गेंद ईरान के पाले में

इजरायल ने लेबनान के लगभग पांचवें हिस्से पर कब्जा कर लिया है। पिछले शुक्रवार को, दोनों पक्ष युद्धविराम के लिए सहमत हुए, लेकिन इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में तैनात रहे। हालांकि उन्होंने हमले कम किए, लेकिन वे पूरी तरह बंद नहीं हुए थे। इजरायल लगातार दावा कर रहा था कि वो लेबनान में हिज्बुल्लाह से कोई समझौता नहीं करेगा। ऐसे में ईरान युद्ध को रोकने की अमेरिका की मंशा खतरे में पड़ती दिख रही थी। अब लेबनान, इजरायल और अमेरिका के त्रिपक्षीय फ्रेमवर्क समझौते से अब माना जा रहा है कि ईरान युद्ध रुक जाएगा। अब शांति समझौते में सिर्फ ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करने पर सहमत होना ही बाकी रह गया है। ईरान की अन्य मांगों पर अमेरिका सहमत हो चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद 6 जांबाजों के नाम पहली बार जारी

नेशनल वॉर मेमोरियल में किया गया याद

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 जून (एएम नाथ)

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद होने वाले 6 जांबाज सैनिकों के नाम पहली बार जारी हुए हैं। इन नामों का उल्लेख राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की वेबसाइट पर किया गया है। इस वेबसाइट पर भारत उन सभी शहीदों के नामों का उल्लेख है, जिन्होंने भारत के लिए किसी भी युद्ध या फिर ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। अब इसी वेबसाइट पर उन नामों का उल्लेख हुआ है, जो दुश्मन देश पाकिस्तान से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। इन नामों में सूबेदार मेजर पवन कुमार, रायफलमैन सुनील कुमार, लांसनायक दिनेश कुमार, एवी मूद मुरलीनायक, हवलदार सुनील कुमार सिंह और सुरेंद्र कुमार शामिल हैं।

इन सभी नामों का जिक्र नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर सेक्शन में हुआ है। यहां पर कुल 26,626 शहीदों के नाम दिए गए हैं। इन शहीदों में 1947-48 में पाकिस्तान के साथ हुई जंग से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक में शामिल रहे सैनिकों के नाम शामिल हैं। बीते साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए सीमा पार हमला किया था।

करीब 4 दिनों तक यह संघर्ष चला था। अब तक सरकार की ओर से इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसा पहली बार है, जब ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के नाम सामने आए हैं। पहले भी कुछ सैनिकों की शहादत की रिपोर्ट्स थीं, लेकिन सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया था।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in
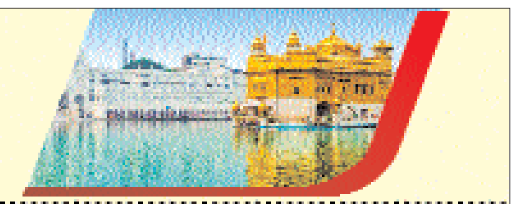

संक्षिप्त न्यूज

भगवान् वाल्मीकि तीर्थ की बेअदबी बर्दाश्त नहीं : सन्नी जैक्सन

अमृतसर (साहिब दयाल) आज पावन वाल्मीकि तीर्थ पर विशेष मीटिंग की गई इस मीटिंग में उपस्थित दलित विकास बोर्ड पंजाब के चेयरमैन वीरेश विजय दानव से बातचित करते हुए सनी जैक्सन प्रधान भावाधस ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा भगवान् वाल्मीकि तीर्थ के मुख्य गेट पर बिना इजाजत मशीनी कटर चला कर बेअदबी की गई है। यह बेअदबी बर्दाश नहीं की जाएगी और जल्द ही बेअदबी करने वालो पर कानूनी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मीटिंग में उपस्थित भगवान् वाल्मीकि तीर्थ श्राइन बोर्ड के चेयरमेन संत प्रगट नाथ जी साथ में सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल के इलावा विशाल चौहान, भावाधस प्रधान आर्यन चौहान, कुमार दर्शन, पवन द्रविड़, शशि गिल, ओम प्रकाश, शक्ति कल्याण आदि उपस्थित रहे।

बाबा सिद्ध गोरिया स्वाँखा में आज से मेला शुरू

गायक कंवर गरेवाल करेंगे गुणगान, देशभर से पहुंच रहे श्रद्धालु

अमृतसर(साहिब दयाल) सांबा जिला के अंतर्गत तहसील रामगढ़ के विजयपुर गांव स्वांखा में स्थित ऐतिहासिक धार्मिक स्थल जय बाबा सिद्ध गोरिया नाथ जी का 7 दिवसीय वार्षिक मेला आज 27 जून शनिवार से शुरू हो गया है। मेले के पहले दिन अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्ध पंजाबी गायक कंवर गरेवाल अपनी सूफी गायकी से संगत को मंत्रमुग्ध करेंगे। इनके अलावा गायक यासिर हुसैन, गौतम जालंधरी और गायिका वर्षा जम्वाल भी गुणगान करेंगे। इस मेले में शामिल होने के लिए श्रद्धालु जम्मू कश्मीर पंजाब ही नहीं बल्कि देशभर से पहुंच रहे हैं। खासकर उत्तर भारत के बड़ी संख्या में बाबा के भक्त इस मेले में शिरकत करते हैं। बाबा सिद्ध गोरिया के प्रति उनकी गहरी आस्था है। मेले को लेकर संयोजक बाबा भोला जी की अगवाई में जिला पुलिस प्रशासन और मेला प्रबंधक कमेटी की तरफ से सभी तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। गांव स्वांखा स्थित जय बाबा सिद्ध गोरिया नाथ के पवित्र मठ पर स्थित पवित्र सरोवर के बीच बाबा जी की समाधि है। हजारों की तादात में बाबा के भक्त इस पवित्र सरोवर में आस्था की डूबकी लगाते हैं। बता दें कि 29 जून को बाबा सिद्ध गोरिया केसरी दंगल का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बिजली-पानी की विशेष सुविधा दी गई है। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए लंगर लगाए गए हैं। मंदिर परिसर में भी लंगर का विशेष प्रबंध किया गया है।

नाबालिग ने कार चलाई तो 2.5 लाख रुपये जुर्माना और 3 साल की जेल, पंजाब में सख्त ट्रैफिक नियम लागू

जालंधर (महेश रहेजा) पंजाब में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी गई है। नए ट्रैफिक नियमों के तहत यदि कोई नाबालिग (18 वर्ष से कम आयु का) वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके माता-पिता या वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नियमों के अनुसार, यदि कोई नाबालिग कार या अन्य वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो संबंधित व्यक्ति पर 2.5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा 3 साल तक की जेल की सजा का भी प्रावधान है। साथ ही वाहन का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) रद्द किया जा सकता है और नाबालिग को 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाई जा सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) देश के प्रतिभाशाली और असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के लिए भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने साहस, प्रतिभा और उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से समाज में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया हो। यह पुरस्कार खेल, समाज सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला एवं संस्कृति तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को दिया जाएगा।

इच्छुक एवं पात्र बच्चे भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल awards.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि आवेदन से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए जिला बाल संरक्षण यूनिट, जिला प्रशासनिक परिसर, ब्लॉक-ए, कमरा नंबर 218, गुरदासपुर में संपर्क किया जा सकता है।

बेअदबी के दोषियों को नहीं मिलेगी माफी, जल्द होंगे सलाखों के पीछेः भगवंत मान

बेअदबी पर सख्त कानून का दावा, विपक्ष पर भी बरसे भगवंत मान, मान बोले, गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

» प्रथम न्यूज । पटियाला
26 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पटियाला के समाना विधानसभा क्षेत्र के गांव गजेवास में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों को जल्द सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 बेअदबी जैसे जघन्य अपराधों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करेगा। मान ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने बेअदबी मामलों के दोषियों को बचाया, जबकि उनकी सरकार ने कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर ऐसा मजबूत कानून बनाया है जिसमें किसी तरह की कानूनी खामी नहीं छोड़ी गई है। उन्होंने कहा कि मानसिक अस्थिरता का बहाना बनाकर आरोपी बच न सकें, इसलिए ऐसे मामलों में अभिभावकों या देखभाल करने वालों की जवाबदेही का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि अकाली शासन के दौरान सबसे अधिक बेअदबी की घटनाएं हुईं, लेकिन दोषियों को सजा नहीं मिली। सुखबीर सिंह बादल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में लौटने के सपने देखने के बजाय उन्हें अपने कर्मों का हिसाब देना चाहिए। मान ने दावा किया कि विपक्ष राजनीतिक रूप से मुकाबला न कर पाने के कारण उनके खिलाफ झूठे प्रचार और धार्मिक भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रहा है।

पंजाब में बनेंगे 3,100 आधुनिक स्टेडियम, खेलों से नशे पर होगा प्रहारः सीएम मान

1,250 करोड़ से बदलेगी खेलों की तस्वीर, युवाओं को नशे से दूर रखने की बड़ी पहल

» प्रथम न्यूज । समाना
26 जून (एएम नाथ)

भगवंत सिंह मान ने राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए बड़े पैमाने पर खेल बुनियादी ढांचे के विकास की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पूरे पंजाब में 1,250 करोड़ रुपये की लागत से 3,100 आधुनिक ग्रामीण खेल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। समाना में एक नए खेल स्टेडियम की आधारशिला रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने के उद्देश्य से खेल सुविधाओं में अभूतपूर्व निवेश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि समाना में बनने वाला स्टेडियम 10.35 करोड़ रुपये की लागत से नौ एकड़ भूमि पर तैयार होगा। इसमें आठ लेन वाला 400 मीटर का अंतरराष्ट्रीय स्तर का सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक तथा शॉट पुट, हैमर थ्रो, लॉन्ग जंप, हाई जंप और डिस्कस थ्रो जैसी प्रतियोगिताओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देना राज्य सरकार के नशा विरोधी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए स्टेडियमों में रनिंग ट्रैक, फ्लडलाइट, वॉकिंग ट्रैक, वॉलीबॉल, फुटबॉल और हॉकी मैदान, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, व्हीलचेयर रैंप तथा अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही खिलाड़ियों को खेल किट, प्रशिक्षण और पेशेवर कोचिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए खेल बजट 1,791 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई खेल नीति के तहत खिलाड़ियों को ओलंपिक और एशियाई खेलों की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पंजाब पहली बार अक्टूबर में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जिससे राज्य को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी।

अब पासपोर्ट बनवाने के लिए चुकाने होंगे ज्यादा पैसे, नई फीस लागू

» प्रथम न्यूज । जालंधर
26 जून (महेश रहेजा)

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट और उससे संबंधित सेवाओं की फीस में बड़ा बदलाव किया है। यह बदलाव ऐसे समय में सामने आया है, जब देशभर में पासपोर्ट को नागरिकता के प्रमाण के रूप में मान्यता दिए जाने को लेकर चर्चा चल रही है। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026 जारी करते हुए इन नई दरों को अगले महीने से पूरे देश में लागू करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2012 में आखिरी बार पासपोर्ट शुल्क में संशोधन किया गया था।

नए नियमों के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों के लिए सामान्य प्रक्रिया के तहत नया पासपोर्ट बनवाने की फीस 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,750 रुपये कर दी गई है, जबकि तत्काल श्रेणी के लिए अब 4,250 रुपये शुल्क देना होगा। इसी प्रकार यदि किसी का पासपोर्ट खो जाता है या क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो 36 पृष्ठों वाले पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए सामान्य श्रेणी में 5,000 रुपये तथा तत्काल श्रेणी में 7,500 रुपये खर्च करने होंगे। वहीं, 60 पृष्ठों वाले खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट को पुनः जारी करवाने के लिए सामान्य शुल्क 6,000 रुपये तथा तत्काल शुल्क 8,500 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) की फीस भी 500 रुपये से बढ़ाकर 750 रुपये कर दी गई है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कुछ आवेदकों को राहत भी दी गई है। नए नियमों के अनुसार, 8 वर्ष तक के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। सरकार के इस फैसले से जहां आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, वहीं बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली यह राहत कुछ हद तक राहतभरी साबित होगी।

केंद्रीय विधानसभा के हर रेलवे क्रॉसिंग का स्थायी समाधान भाजपा ही करेगी : राकेश राठौर

गुरु नानक पुरा ओवरब्रिज भाजपा की देन, राजिंदर बेरी सस्ती लोकप्रियता के लिए कर रहे झूठी बयानबाजी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
26 जून (शैली अल्बर्ट)

जालंधर के पूर्व मेयर एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजिंदर बेरी द्वारा गुरु नानक पुरा रेलवे ओवरब्रिज को लेकर दिए गए बयानों को तथ्यों से परे और जनता को गुमराह करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर झूठा श्रेय लेने की कांग्रेस की राजनीति अब जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है।

राकेश राठौर ने कहा कि गुरु नानक पुरा रेलवे ओवरब्रिज का प्रोजेक्ट वर्ष 2017 में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान मंजूर हुआ था। उस समय इस परियोजना को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के संयुक्त सहयोग से पूरा किया जाना था। लेकिन इसके बाद पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनने पर राज्य सरकार ने अपने हिस्से का आवश्यक फंड जारी नहीं किया, जिसके कारण यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट वर्षों तक लंबित पड़ा रहा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के बाद वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, लेकिन उसने भी इस परियोजना को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। न कांग्रेस ने जनता की परेशानी समझी और न ही आम आदमी पार्टी ने इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाया। परिणामस्वरूप केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र के हजारों लोगों को वर्षों तक रेलवे फाटकों पर जाम और असुविधा का सामना करना पड़ा।

राकेश राठौर ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जनता की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को अपने खर्च पर पूरा करने का निर्णय लिया है। ऐसे में राजिंदर बेरी द्वारा इस परियोजना का श्रेय लेने का प्रयास पूरी तरह हास्यास्पद और राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक पुरा ओवरब्रिज बनने से गुरु नानक पुरा ईस्ट, गुरु नानक पुरा वेस्ट, लदेवाली, रेल विहार तथा रेलवे लाइन के दूसरी ओर बसे अनेक क्षेत्रों के हजारों निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे यातायात सुगम होगा, समय की बचत होगी और लोगों को रोजाना लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी। राकेश राठौर ने कहा कि भाजपा केवल घोषणाओं की राजनीति नहीं करती, बल्कि विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है। केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में रेलवे फाटकों की समस्या का स्थायी समाधान भाजपा की प्राथमिकता है और आने वाले समय में अन्य प्रमुख रेलवे क्रॉसिंगों पर भी ओवरब्रिज, अंडरब्रिज और फुटओवर ब्रिज जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक रेलवे क्रॉसिंग का समाधान भाजपा सरकार ही करेगी। भाजपा विकास, सुगम यातायात और जनसुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस केवल झूठे दावों और बयानबाजी के सहारे राजनीतिक अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रही है। राकेश राठौर ने अंत में कहा कि जनता अब यह भली-भांति समझ चुकी है कि विकास कार्यों को मंजूरी कौन दिलाता है, फंड कौन उपलब्ध करवाता है और काम कौन पूरा करवाता है। केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र में विकास की यह गति आगे भी जारी रहेगी और भाजपा जनता से किए गए हर वादे को पूरा करेगी।

अमृतसर में आज हंसराज रघुवंशी भगवान शिव के गीतों का करेंगे गुणगान

पाईटेक्स ग्राउंड में सभी श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त में होगी एंट्री

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
26 जून (साहिब दयाल)

एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम भगवान शिव के नाम एक शाम का आयोजन सनातन सेवा समिति पंजाब और पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, पंजाब सरकार द्वारा आज पाइटेक्स ग्राउंड रंजीत एवेन्यू अमृतसर में किया जा रहा है। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा आज पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के सलाहकार श्री दीपक बाली, डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर, सनातन सेवा समिति पंजाब के अध्यक्ष श्री विजय शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई। डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम 27 जून को शाम 6ः30 बजे पाइटेक्स ग्राउंड, रंजीत एवेन्यू में शुरू होगा। प्रसिद्ध भजन गायक हंसराज रघुवंशी भगवान शिव को समर्पित भक्ति गीतों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं सहित व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

श्री दीपक बाली, सलाहकार, पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और अपनी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कार्यक्रम राजनीति से ऊपर है और समाज के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेने और भक्ति के माध्यम से भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। श्री विजय शर्मा, अध्यक्ष, सनातन सेवा समिति पंजाब ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश सभी के लिए पूर्णतः निःशुल्क है। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों में पुलिस कमिश्नर श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) सुश्री पल्लवी मिश्रा, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) श्री सुरिंदर सिंह, डीसीपी श्री विजय आलम, एसडीएम अमृतसर-द्व सुश्री अलका कालिया, एसडीएम अमृतसर-II श्री गुरमिंदर सिंह, पर्यटन अधिकारी श्री सुखमिंदर सिंह, सनातन सेवा समिति पंजाब के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय शर्मा सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

धारीवाल में व्यापारियों की समस्याएं सुनने पहुंची पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन की टीम

गुरदासपुर(संदीप सन्नी)- पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन के तहत धारीवाल बस स्टैंड के निकट बाजार में व्यापारियों एवं दुकानदारों की समस्याओं के समाधान हेतु विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अगुवाई विधानसभा क्षेत्र कादियां के प्रभारी एडवोकेट जगरूप सिंह सेखवां के नेतृत्व में की गई। इस अवसर पर कादियां व्यापार कमीशन के चेयरमैन अश्वनी दुग्गल तथा नायब तहसीलदार किरणदीप कौर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में जीएसटी, वन, इंडस्ट्री, बीडीपीओ कार्यालय और पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा व्यापारियों की समस्याओं को सुना। चेयरमैन अश्वनी दुग्गल ने कहा कि पंजाब सरकार व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंच रहा है।

व्यापारियों ने विभिन्न विभागों से जुड़े मुद्दों को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने सभी जायज मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई का भरोसा दिया। बैठक में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

गुल्लरवाला के खेड़ा बादशाह मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

बद्दी, 26 जून (तारा)– गुल्लरवाला पंचायत के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के समीप स्थित खेड़ा बादशाह मंदिर में चौथे विशाल वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। समाजसेवी डॉक्टर भाग सिंह चौधरी ने बताया कि वैसे तो खेड़ा का छोटा मंदिर 2003 में बन गया था। ग्रामीणों के सहयोग से बड़े मंदिर का निर्माण करके मूर्ति प्रतिष्ठा 26 जून 2023 को भगत जोगिंदर सिंह रत्तपुर गद्दी द्वारा करवायी गई थी। शुक्रवार को स्थापना दिवस पर खेड़ा मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। गुल्लरवाला व समस्त ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात हवन व पूर्णाहुति डाली गईं। दोपहर बाद विशाल भंडारा आरम्भ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। भाग सिंह चौधरी ने बताया कि इस वर्ष भंडारे में सैंकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर जीएसटी, कस्टम और और नारकोटिक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर विशाल चौधरी (आईआरएस) पूर्व विधायक परम् जीत सिंह पममी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष नरेंद्र दीपा, उप प्रधान ज्ञान चंद, हंस राज नम्बरदार, बीडीसी हरविंदर सिंह,बांका सिंह,

सरवन पाठी, गुरनाम सिंह घटपुर, गुरमीत राणा लम्बरदार, तरलोचन सिंह, देव सिंह, राकेश कुमार, चरणजीत सिंह, डॉ राम आसरा, गुरदीप सिंह, दीवान चंद, श्याम सिंह, राजेंद्र सिंह, पूर्व प्रधान ज्ञान सिंह, मदन लाल, राकेश कुमार, देव चौधरी,गुरदयाल सिंह, महिमा सिंह, सुरमुख सिंह, गुरनाम सिंह, अमर सिंह , लेख राम, सुरेन्द्र मास्टर, सुखवीर सिंह, राम लोक, खुशाल सिंह, निर्मल सिंह, अमरीक सिंह रघुवीर सिंह व बहुत से गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

एकादशी पर्व पर गांववासियों ने बांटी खुशियां, जूस व आइसक्रीम वितरित

बरठीं/बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– विकास खंड झंडूता की ग्राम पंचायत बरठीं के वार्ड नंबर–4 घडियाणा में एकादशी पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांववासियों द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एकादशी के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने सामूहिक रूप से जूस एवं आइसक्रीम वितरित कर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में बच्चों और ग्रामीणों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। राजकीय प्राथमिक पाठशाला के पूर्व स्कूल प्रबंधन समिति प्रधान रजनी कान्त शर्मा ने एकादशी व्रत के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह पर्व आत्मसंयम, भक्ति और सदाचार का संदेश देता है। उन्होंने बच्चों को अच्छे संस्कार अपनाने, अनुशासन बनाए रखने तथा माता–पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर पंचायत सदस्या रीता धीमान ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर एकादशी पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सिर्फ झूठ और साजिश के भरोसे सरकार चलाना चाह रहे मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

कहा, वीबी-जी राम जी के नाम पर झूठ बोलकर प्रदेश के हितों को दांव पर लगा रही सरकार

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 जून (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी–जी राम जी) को लेकर लगातार झूठ बोल रही है और अफवाह फैला रही है। सरकार के इस कदम से सिर्फ प्रदेश का नुकसान होगा। समय के साथ योजनाओं का बेहतर होना तथा उनके लक्ष्य और अधिक दूरगामी होना अच्छी बात है। लेकिन वीबी–जी राम जी में सरकार की जवाबदेही, रोजगार की पारदर्शिता, रोजगार के अधिकार, काम के भुगतान और रोजगार के दिनों में बढ़ोतरी के प्रावधान हैं, भ्रष्टाचार के चोर दरवाजे खत्म हो रहें हैं, इसी बात से सुक्खू सरकार परेशान है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वीबी–जी राम जी 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है। किसी भी व्यक्ति को, जो काम करने का इच्छुक है, उसे रोजगार मिले, इसकी व्यवस्था इस कानून के तहत की गई है। रोजगार पाने की अर्हता केवल काम करने की इच्छा है। केंद्र सरकार पहले निर्माण कार्य (कंस्ट्रक्शन कॉस्ट) का 75 प्रतिशत वहन करती थी, जिसे अब बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया गया है। हिमाचल समेत अन्य पहाड़ी राज्यों के लिए यह 15 प्रतिशत की वृद्धि है। कार्यस्थल पर यदि किसी भी व्यक्ति के साथ कोई दुर्घटना होती है तो उसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिलेगा। 15 दिनों के भीतर भुगतान न होने पर ब्याज सहित भुगतान की बाध्यता तय की गई है। कार्डधारक को रोजगार न मिलने की स्थिति में भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार ने प्रशासनिक शुल्क को बढ़ाकर 6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत कर दिया है। इसके बाद भी इस

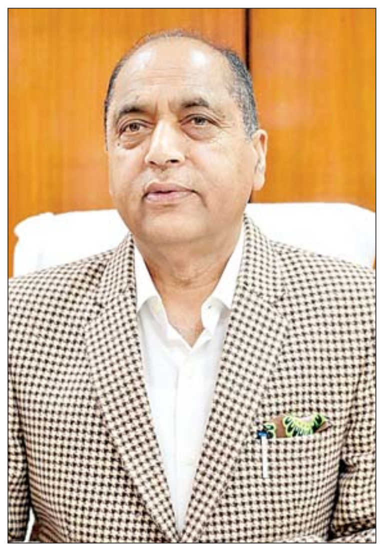

योजना का विरोध सिर्फ राजनीतिक विद्वेष के कारण किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार यह कह रही है कि वीबी–जी राम जी कानून के तहत मनरेगा की मजदूरी कम हो जाएगी। यह भी सरासर झूठ है। वीबी–जी राम जी एक्ट के सेक्शन 10 में स्पष्ट प्रावधान है कि केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित मानदेय किसी भी हालत में मनरेगा से कम नहीं होगा। आपदा राहत और आपदा न्यूनीकरण के लिए भी वीबी–जी राम जी में प्रावधान है।

इसका सर्वाधिक लाभ हिमाचल प्रदेश के आपदा–ग्रस्त क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और आपदा न्यूनीकरण के कार्यों में लिया जा सकता है, लेकिन यह हिमाचल सरकार की प्राथमिकता ही नहीं है। सरकार सिर्फ झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करते हुए अपना समय काट रही है। सुक्खू सरकार की यह राजनीति प्रदेश के लिए हानिकारक है। 1 जुलाई से वीबी–जी राम जी लागू हो रही है। इसलिए प्रदेश सरकार इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने की दिशा में कार्य करे।

जयराम ठाकुर ने कहा कि मनरेगा की तुलना में वीबी–जी राम जी विकसित भारत के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस योजना का मकसद केवल काम देना नहीं, बल्कि आजीविका को सशक्त बनाना है। लेकिन इस कानून के बनने के दिन से ही सुक्खू सरकार लगातार अनर्गल बयानबाजी कर रही है और झूठ बोल रही है।

जो योजना भ्रष्टाचार को खत्म करने, संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने, कार्यों में पारदर्शिता लाने, सरकार की जवाबदेही तय करने तथा मानदेय के नियमित भुगतान को सुनिश्चित करने के प्रावधान करती है, उसका केवल राजनीतिक कारणों से विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही, सत्ता के बल पर जनादेश का कर रही अपमान : भाजपा

हॉर्स ट्रेडिंग के लिए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव जानबूझकर लटकाए जा रहे - डॉ. राजीव बिंदल

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 जून (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने संयुक्त बयान जारी कर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर पंचायती राज एवं नगर निकाय संस्थाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सरकारी मशीनरी का खुलेआम दुरुपयोग कर चुनाव परिणामों को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित निर्वाचित पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। वहीं बीडीसी सदस्यों, जिला परिषद सदस्यों एवं अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों पर सत्ता और धनबल के माध्यम से दबाव बनाकर उनके मतों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। यह लोकतंत्र की मूल भावना पर सीधा हमला है। डॉ. बिंदल

और जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि जिला परिषद, बीडीसी तथा नगर परिषदों में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव काफी पहले संपन्न हो जाने चाहिए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार जानबूझकर इन चुनावों की तिथियां घोषित नहीं कर रही है। उनका आरोप है कि सरकार इस देरी का उपयोग हॉर्स ट्रेडिंग और निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रभावित करने के लिए करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने कई बार सरकार और प्रशासन से चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की मांग की, लेकिन प्रशासन सरकार के दबाव में कार्य करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित कर रहा है।

यह प्रदेश के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरा है।

भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए घोषणा की कि शनिवार, 27 जून को प्रदेश के सभी जिलाधीश कार्यालयों के बाहर भाजपा की ओर से सांकेतिक धरना–प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इन धरनों के माध्यम से प्रशासन से तत्काल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथियां घोषित करने की मांग की जाएगी।

दोनों नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन ने शीघ्र चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और कथित हॉर्स ट्रेडिंग के प्रयास बंद नहीं किए, तो भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन छेड़ेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस सरकार की होगी।

कांग्रेस ने महिलाओं से किया वादा निभाने के बजाय किया भद्दा मजाक : डॉ. डेज़ी ठाकुर

यह सरकार सूटकेस वाली सरकार है, केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है : भाजपा महिला मोर्चा

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 जून (बी.शर्मा)

प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. डेज़ी ठाकुर ने कसौली विधानसभा क्षेत्र के नेरीकला में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा की गई ?1500 प्रतिमाह सहायता की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह महिलाओं के साथ एक भद्दा मजाक है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस ने प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं को प्रतिमाह ?1500 देने की गारंटी दी थी, लेकिन सरकार के साढ़े तीन वर्ष पूरे होने के बावजूद यह वादा आज तक पूरा नहीं हो पाया है।

डॉ. ठाकुर ने कहा कि पहले सरकार ने इस योजना को पूरे प्रदेश से सीमित कर जिला स्तर तक पहुंचा दिया और अब केवल कसौली विधानसभा क्षेत्र की पांच पंचायतों की महिलाओं तक

सीमित कर दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कसौली की शेष पंचायतों की महिलाओं का क्या दोष है, जिन्हें इस योजना से वंचित रखा जा रहा है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के प्रति संवेदनशील है तो उसे क्षेत्र विशेष की घोषणाओं के बजाय प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं को समान रूप से इस योजना का लाभ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी चुनावी गारंटियों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है और अब चरणबद्ध घोषणाओं के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। प्रदेश की महिलाएं सरकार के वादों और वास्तविकता के बीच का अंतर भली–भांति समझ चुकी हैं। डॉ. डेज़ी ठाकुर ने आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार विकास और जनकल्याण के बजाय केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अब प्रदेश में सूटकेस वाली सरकार के नाम से पहचानी जा रही है। जनता के हितों की अनदेखी कर भ्रष्टाचार और राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता देना इस सरकार की कार्यशैली बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता और महिलाएं कांग्रेस सरकार की कथनी और करनी का हिसाब आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से अवश्य लेंगी। भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की लड़ाई निरंतर मजबूती से लड़ता रहेगा तथा कांग्रेस सरकार को उसके अधूरे वादों की याद दिलाता रहेगा।

नशा निषेध दिवस पर तीसा में जागरूकता रैली, युवाओं को दिया नशामुक्ति का संदेश

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और बच्चों ने निकाली रैली, नशे के खिलाफ किया जागरूक

» प्रथम न्यूज । तीसा
26 जून (एएम नाथ)

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी, तीसा के निर्देशन में जज्जा कोठी में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में बाल विकास परियोजना तीसा के अंतर्गत कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्थानीय बच्चों, युवाओं तथा आम लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली का उद्देश्य समाज में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर खंड समन्वयक राज कुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक धीमा ज़हर है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज को धीरे–धीरे खोखला कर देता है। उन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक युवा वर्ग नशे की चपेट में आ रहा है, जो चिंता का विषय है।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूहों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि नशे की समस्या को जड़ से समाप्त किया जा सके। राज कुमार ने कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने विशेष रूप से स्कूली बच्चों और युवाओं से नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशामुक्ति संबंधी नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया और स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नशे के खिलाफ मिलकर कार्य करने की शपथ के साथ हुआ।

चम्बा में एक साथ उठी पति-पत्नी की अर्थियां

मंजर देख पूरा गांव रोया, पीछे छूट गए दो मासूम

» प्रथम न्यूज । चंबा
26 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के भरमौर में हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। एक पल में ही एक परिवार की खुशियां उजड़ गईं और बुजुर्ग माता–पिता के बुढ़ापे का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। जब एक ही घर से बेटे और बहू की अर्थियां एक साथ निकलीं तो उस मंजर को देखकर हर आंख नम हो गई। गांव में जहां तक नजर गई, वहां सिर्फ मातम और सिसकियां ही सुनाई दे रही थीं।

धरवाला उपतहसील के एक दुर्गम क्षेत्र में हुए इस हादसे में पति–पत्नी की जान चली गई। बताया जा रहा है कि दोनों किसी रिश्तेदार के घर जा रहे थे। रास्ते में अचानक पति का पैर फिसल गया और वह खाई में गिरने लगा। पति को गिरता देख पत्नी भी उसे बचाने का प्रयास करने लगी, लेकिन वह बचा नहीं पाई और खुद भी पति के साथ ही खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान ग्राम पंचायत दाडवी

के उआ गांव निवासी 33 वर्षीय गोरख और उनकी 26 वर्षीय पत्नी सुषमा देवी के रूप में हुई है।

इस हादसे ने केवल दो जिंदगियां ही नहीं छीनीं, बल्कि एक पूरे परिवार को गहरे संकट में धकेल दिया है। मृतक युवक अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता था। उसके कंधों पर बुजुर्ग माता–पिता की जिम्मेदारी थी, जो अब बेसहारा हो गए हैं। सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि युवक के पिता पहले से गंभीर बीमारी के कारण दोनों टांगें गंवा चुके हैं। ऐसे में परिवार की सारी जिम्मेदारी बेटे पर ही थी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और एक हादसे ने परिवार की दुनिया उजाड़ दी।

दो मासूमों के सिर से उठा मां–बाप का साया : हादसे में जान गंवाने वाले दंपति अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। एक बेटा और एक बेटी अब कभी अपने माता–पिता का प्यार नहीं पा सकेंगे। जिस उम्र में बच्चों को मां की ममता और पिता के स्नेह की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, उसी उम्र में वे अनाथ जैसे हालात का सामना करने को मजबूर हो गए हैं। अब इन मासूम बच्चों के पालन–पोषण और भविष्य की जिम्मेदारी उनके बुजुर्ग दादा–दादी के कंधों पर आ गई है, जो पहले से ही शारीरिक और मानसिक परेशानियों से जूझ रहे हैं।

एक साथ पति–पत्नी का अंतिम संस्कार : शुक्रवार को जब गांव में पति–पत्नी का अंतिम संस्कार किया गया तो माहौल बेहद गमगीन हो गया। एक ही घर से निकली दो अर्थियों को देखकर लोगों का कलेजा भर आया। अंतिम यात्रा में शामिल हर व्यक्ति की आंखें नम थीं और हर कोई इस असमय हुई त्रासदी पर दुख व्यक्त कर रहा था। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि उन्होंने वर्षों में ऐसा दर्दनाक दृश्य नहीं देखा। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को जानकारी दी। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। हादसे के बाद से उआ गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल है। हर कोई यही कह रहा है कि भगवान किसी परिवार को ऐसा दुख न दे। एक ही पल में बेटे–बहू को खो चुके बुजुर्ग माता–पिता और मां–बाप के साए से वंचित हुए दो मासूम बच्चों की दर्दभरी कहानी ने पूरे चंबा जिले को भावुक कर दिया है। यह हादसा लंबे समय तक लोगों के दिलों में एक टीस बनकर रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस पर चंबा में एंटी-चिट्टा रैली, विधानसभा अध्यक्ष ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ

एंटी-चिट्टा अभियान को जन आंदोलन बना रही सरकार - कुलदीप सिंह पठानिया

» प्रथम न्यूज । चंबा
26 जून (एएम नाथ)

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय चंबा के बचत भवन में गुरुवार को जिला स्तरीय एंटी–चिट्टा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की। इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को चिट्टे जैसे घातक नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने की सामूहिक शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों की सहभागिता से आयोजित एंटी–चिट्टा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में विधायक नीरज नैय्यर भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि चिट्टा (हेरोइन) एक अत्यंत घातक सिंथेटिक नशा है, जो देश और दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि एक सुनियोजित साजिश के तहत युवाओं और

भावी पीढ़ी को इस नशे की गिरफ्त में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे केवल समाज के सामूहिक प्रयासों से ही रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने एंटी–चिट्टा जागरूकता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज को नशामुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार चिट्टे के समूल नाश के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।

पठानिया ने विद्यार्थियों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा स्वयं जागरूक होंगे, तभी नशामुक्ति का संदेश समाज के प्रत्येक घर तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।

उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने तथा किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय समय रहते उचित सहायता लेने का आग्रह किया। उन्होंने चेताया कि चिट्टे का एक–दो बार सेवन भी व्यक्ति को इसकी लत लगा सकता है, जिससे बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है।

उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने स्वागत भाषण में बताया कि जिले के सभी उपमंडलों, शिक्षण संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में भी नशामुक्ति को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी, अतिरिक्त उपायुक्त अमित मैहरा, एसडीएम प्रियांशु खाती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आज का

संपादकीय

ग्रीन टू गोल्ड: हरित संसाधनों से आत्मनिर्भर हिमाचल

हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में नियंत्रित कैनाबिस (भांग) खेती को अनुमति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार का अनुमान है कि इस पहल से पूर्ण रूप से लागू होने के बाद लगभग ?2,000 करोड़ का वार्षिक राजस्व प्राप्त हो सकता है। इस महत्वाकांक्षी योजना को ग्रीन टू गोल्ड नाम दिया गया है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां भी सामने आई हैं। बहुत से लोग इसे नशीली भांग को वैध बनाने के रूप में देख रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि यह अनुमति केवल औद्योगिक भांग तथा चिकित्सा एवं वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए नियंत्रित खेती तक सीमित है। मनोरंजन अथवा नशे के लिए कैनाबिस के उपयोग की अनुमति नहीं दी गई है।

विशाल कल्याण

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य के एनडीपीएस नियम, 1989 में संशोधन को मंजूरी दी है, जिसके अंतर्गत भांग की खेती, प्रसंस्करण, विनिर्माण, भंडारण और परिवहन को एक सख्त नियामक ढांचे के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश को देश का प्रमुख हेम्प हब बनाना है। उनका मानना है कि यह पहल केवल राजस्व अर्जित करने का माध्यम नहीं होगी, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने और राज्य में नए उद्योगों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

औद्योगिक भांग एक ऐसी फसल है जिसमें नशीले तत्व की मात्रा अत्यंत कम होती है। यही कारण है कि इसका उपयोग नशे के बजाय औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। दुनिया के अनेक देशों में इसका उपयोग वस्त्र निर्माण, कागज एवं पैकेजिंग उद्योग, सौंदर्य प्रसाधन, औषधियों, जैव ईंधन, निर्माण सामग्री तथा व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों के निर्माण में किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में भी इससे हेम्पक्रीट जैसी कार्बन-निगेटिव निर्माण सामग्री, विशेष प्रकार के वस्त्र और आयुर्वेदिक उत्पाद विकसित किए जाने की संभावनाएं हैं।

आर्थिक दृष्टि से यह पहल राज्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। पारंपरिक खेती से घटती आय, सीमित कृषि भूमि तथा जंगली जानवरों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के कारण किसानों को नई विकल्प आधारित खेती की आवश्यकता महसूस हो रही है। औद्योगिक भांग एक उच्च मूल्य वाली फसल है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त हो सकती है। इसके साथ-साथ इससे जुड़े प्रसंस्करण और विनिर्माण उद्योगों के विकास से हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे तथा स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी औद्योगिक भांग एक महत्वपूर्ण फसल मानी जाती है। इसे कपास जैसी पारंपरिक फसलों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत कम पानी की आवश्यकता होती है तथा यह कम उपजाऊ भूमि में भी अच्छी तरह विकसित हो सकती है। हिमालयी जलवायु इसकी खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, भांग से बनने वाला हेम्पक्रीट वातावरण से कार्बन अवशोषित करने में सहायता करता है, जिससे यह सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बन जाता है।

चिकित्सा क्षेत्र में भी नियंत्रित कैनाबिस की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वैज्ञानिक अनुसंधानों में पाया गया है कि कैनाबिस आधारित कुछ औषधियां दर्द प्रबंधन, सूजन को कम करने तथा कैंसर जैसे गंभीर रोगों से जुड़े कुछ लक्षणों में राहत प्रदान कर सकती हैं।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि चिकित्सा उपयोग हेतु इसकी खेती और प्रसंस्करण पूरी तरह नियंत्रित एवं लाइसेंस आधारित व्यवस्था के अंतर्गत ही किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार के दुरुपयोग की संभावना न रहे।

फिर भी इस पहल के सामने कुछ चुनौतियां मौजूद हैं। समाज के एक वर्ग को आशंका है कि इससे नशे की समस्या बढ़ सकती है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार को प्रभावी निगरानी तंत्र, कठोर लाइसेंस प्रणाली और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करना होगा। विशेषज्ञ समितियों के अध्ययन के अनुसार औद्योगिक भांग में नशीले तत्व की मात्रा अत्यंत कम होती है और इससे मादक पदार्थों के दुरुपयोग को बढ़ावा नहीं मिलता, लेकिन जन-जागरूकता और पारदर्शिता इस नीति की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक होगी।

निष्कर्षत: हिमाचल प्रदेश की ग्रीन टू गोल्ड पहल केवल भांग की खेती की अनुमति भर नहीं है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने, किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने का एक दूरदर्शी प्रयास है।

यदि इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सुदृढ़ नियामक व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह पहल हिमाचल प्रदेश को आर्थिक समृद्धि के नए शिखर तक पहुंचाने के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल सिद्ध हो सकती है।

यौन शिक्षा पर बढ़ती बहस: क्या हर ज्ञान की अपनी सही उम्र होती है?

हाल ही में इटली सरकार द्वारा लिया गया एक निर्णय वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। इटली ने स्कूलों में यौन शिक्षा (सेक्स एजुकेशन) से जुड़े कार्यक्रमों के लिए माता-पिता और अभिभावकों की सहमति को अनिवार्य बनाने का फैसला किया है। इस निर्णय के बाद देश में राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। जहां एक ओर सरकार और उसके समर्थक इसे परिवारों के अधिकारों की रक्षा से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं वामपंथी दलों और ग्रीन पार्टी सहित कई संगठनों ने इसका विरोध किया है।

विरोध करने वालों का तर्क है कि यौन शिक्षा बच्चों के समग्र विकास का हिस्सा है और इसके लिए अलग से अभिभावकों की अनुमति लेना शिक्षा की प्रक्रिया को जटिल बना सकता है। कुछ नेताओं ने तो यहां तक कहा कि यह निर्णय ऐसा है जैसे किसी छात्र को इटैलियन भाषा पढ़ाने से पहले भी माता-पिता की अनुमति लेनी पड़े। हालांकि इस बहस ने एक बड़े सवाल को जन्म दिया है कि क्या वास्तव में यौन शिक्षा बच्चों को सुरक्षित बनाने में उतनी प्रभावी साबित हुई है, जितना वर्षों से दावा किया जाता रहा है?

पश्चिमी देशों में बढ़ रही चिंताएं

पश्चिमी देशों में पिछले कई दशकों से स्कूलों में यौन शिक्षा को पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता रहा है। इसके पीछे मुख्य तर्क यह था कि बच्चों और किशोरों को शरीर, संबंधों और सुरक्षा के बारे में सही जानकारी देकर उन्हें यौन अपराधों, शोषण और अनचाहे गर्भधारण जैसी समस्याओं से बचाया जा सकता है।

लेकिन हाल के वर्षों में यूरोप और अमेरिका के कुछ वर्गों में इस विषय को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। कई अभिभावकों का मानना है कि बहुत कम उम्र में बच्चों को यौन विषयों से परिचित कराने से उनके व्यवहार और सोच पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

उनका कहना है कि बचपन खेल-कूद, शिक्षा और व्यक्तित्व विकास का समय है, जबकि वयस्क जीवन से जुड़े विषयों को समझने की एक उचित उम्र होनी चाहिए।

इसी कारण इटली जैसे देशों में यह मांग उठ रही है कि बच्चों की शिक्षा से जुड़े ऐसे संवेदनशील विषयों में माता-पिता की भूमिका को अधिक महत्व दिया जाए।

टीनएज प्रेग्नेंसी और सामाजिक चुनौतियां

यौन शिक्षा के समर्थक अक्सर यह तर्क देते हैं कि इससे किशोर गर्भधारण की घटनाओं में कमी आती है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि कई पश्चिमी देशों में लंबे समय से यौन शिक्षा दिए जाने के बावजूद टीनएज प्रेग्नेंसी और कम उम्र में यौन संबंधों की समस्याएं पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

समय-समय पर ब्रिटेन और अमेरिका से ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें बहुत कम उम्र के किशोर माता-पिता बन गए। इन घटनाओं ने समाज में यह बहस छेड़ी है कि क्या केवल जानकारी देना पर्याप्त है या फिर बच्चों के नैतिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि यौन शिक्षा का उद्देश्य केवल जैविक जानकारी देना नहीं होना चाहिए, बल्कि जिम्मेदारी, सम्मान, सहमति और आत्मनियंत्रण जैसे मूल्यों को भी शामिल करना चाहिए।

यदि शिक्षा का यह संतुलित स्वरूप न हो तो अपेक्षित परिणाम प्राप्त करना कठिन हो सकता है।

बच्चों के खिलाफ यौन अपराध अब भी बड़ी चुनौती

दुनिया भर में बच्चों के खिलाफ यौन अपराध एक गंभीर समस्या बने हुए हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार लाखों बच्चे हर वर्ष किसी न किसी प्रकार के यौन शोषण या उत्पीड़न का शिकार होते हैं।

संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संगठनों और बाल अधिकार संस्थाओं द्वारा जारी आंकड़े बताते हैं कि लड़कियां ही नहीं, बल्कि लड़के भी बड़ी संख्या में ऐसे अपराधों का सामना करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या केवल किसी एक देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर मौजूद है।

यही कारण है कि यौन अपराधों को रोकने के लिए केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि मजबूत कानून, प्रभावी पुलिस व्यवस्था, पारिवारिक जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और डिजिटल सुरक्षा जैसे अनेक उपायों की आवश्यकता होती है।

> **इटली सरकार के हालिया फैसले ने यौन शिक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। सरकार ने स्कूलों में यौन शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के लिए माता-पिता की अनुमति अनिवार्य कर दी है। इस कदम का कुछ राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने विरोध किया है, जबकि बड़ी संख्या में अभिभावक इसका समर्थन कर रहे हैं।**
>
> **यौन शिक्षा के समर्थकों का मानना है कि इससे बच्चों में जागरूकता बढ़ती है और वे शोषण व अपराधों से खुद को बेहतर तरीके से बचा सकते हैं। वहीं आलोचकों का तर्क है कि कम उम्र में ऐसे विषयों की जानकारी बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर सकती है। उनका कहना है कि बच्चों को उनकी उम्र और परिपक्वता के अनुसार ही संवेदनशील विषयों से परिचित कराया जाना चाहिए।**
>
> **विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों की सुरक्षा, जागरूकता और स्वस्थ विकास के लिए शिक्षा, परिवार और समाज के बीच संतुलित समन्वय सबसे महत्वपूर्ण है। यही संतुलन आज दुनिया भर में बहस का केंद्र बना हुआ है।**

भारतीय परिवारों की अलग सोच

पश्चिमी देशों में रहने वाले भारतीय मूल के कई परिवारों ने भी समय-समय पर इस विषय पर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। उनका मानना है कि भारतीय समाज में परिवार बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और संवेदनशील विषयों पर माता-पिता का मार्गदर्शन आवश्यक है।

कई अभिभावक चाहते हैं कि बच्चों को उम्र और मानसिक परिपक्वता के अनुसार जानकारी दी जाए। उनका तर्क है कि अत्यधिक कम उम्र में यौन विषयों पर विस्तृत चर्चा बच्चों में अनावश्यक जिज्ञासा पैदा कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सही उम्र में सही जानकारी देना आवश्यक है ताकि बच्चे गलत स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने के बजाय विश्वसनीय माध्यमों पर भरोसा कर सकें।

भारत में भी समय-समय पर स्कूलों में यौन शिक्षा को लेकर बहस होती रही है। कुछ लोग इसे आधुनिक आवश्यकता मानते हैं, जबकि कुछ इसे सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप सीमित और संतुलित रूप में लागू करने की बात करते हैं।

संस्कृति और शिक्षा का संबंध

इटली की हालिया बहस ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या सभी देशों और समाजों में शिक्षा का एक ही मॉडल लागू किया जा सकता है। प्रत्येक समाज की अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पारिवारिक संरचना और सामाजिक मूल्य होते हैं।

यही कारण है कि शिक्षा से जुड़े विषयों पर विभिन्न देशों के दृष्टिकोण अलग-अलग दिखाई देते हैं। कुछ समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं, जबकि कुछ परिवार और समुदाय की भूमिका को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी शिक्षा नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह स्थानीय सामाजिक परिस्थितियों और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप कितनी प्रभावी ढंग से लागू की जाती है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यौन शिक्षा को लेकर चल रही बहस में दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क प्रस्तुत करते हैं। एक पक्ष का कहना है कि जानकारी से जागरूकता बढ़ती है और बच्चे स्वयं को सुरक्षित रखना सीखते हैं। दूसरा पक्ष मानता है कि जानकारी देने का समय और तरीका बेहद महत्वपूर्ण है।

शिक्षाविदों के अनुसार इस विषय पर किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह समझना आवश्यक है कि बच्चों की मानसिक परिपक्वता, पारिवारिक वातावरण और सामाजिक परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना अधिक उचित माना जाता है।

इटली का निर्णय इसी बहस का नया अध्याय बनकर सामने आया है। यह केवल एक देश की शिक्षा नीति का मामला नहीं है, बल्कि दुनिया भर में परिवार, शिक्षा और बच्चों के भविष्य से जुड़े व्यापक प्रश्नों को भी सामने लाता है।

अंतत: यह चर्चा इस विचार को मजबूती देती है कि ज्ञान महत्वपूर्ण है, लेकिन उसके प्रस्तुत किए जाने का समय और तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। बच्चों को सुरक्षित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए शिक्षा, परिवार और समाज तीनों की साझा भूमिका आवश्यक है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि विभिन्न देश इस संवेदनशील विषय पर किस प्रकार संतुलन स्थापित करते हैं और बच्चों के सर्वोत्तम हित में कौन से मॉडल अपनाते हैं।

कहानी : मधुमिता अब नहीं लौटेगी

मधुमिता और रजत एक दूसरे को बहुत चाहते थे। मोहल्ले के लोग उनकी मिसाल देते थे। रजत होनहार था। स्कूल-कॉलेज में हमेशा अव्वल आया। पर गरीब था। बाप रिक्शा चलाता था, मां दूसरों के घर बर्तन मांजती थी। एक कमरे का घर, टूटी हुई छत, पर रजत के सपने बड़े थे।

मधुमिता भी पढ़ी-लिखी थी। बीए किया था, टीचर बनना चाहती थी। उसे रजत की गरीबी से फर्क नहीं पड़ता था। वह कहती थी, पैसा आज नहीं है तो कल आ जाएगा। पर सच्चा आदमी बार-बार नहीं मिलता। दोनों शाम को मंदिर के पीछे वाले पीपल के नीचे मिलते। बातें कम होती थीं, पर आंखों में भरोसा था। वादा था कि साथ जिएंगे, साथ मरेंगे।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

पर नसीब को कुछ और मंजूर था। मधुमिता के घर वाले रजत के खिलाफ थे। बाप ने साफ कह दिया, लड़की को भूखा मारेगा क्या। हमने इतना पढ़ाया-लिखाया किसके लिए। रिश्तेदार भी पीछे पड़े थे। रोज कोई न कोई रिश्ता लेकर आता।

आखिर में एक रईस घर का लड़का मिला। नाम सुनील। बाप का कारोबार था, तीन मंजिला कोठी थी, चार गाड़ियां दरवाजे पर खड़ी रहती थीं। पर लड़का आठवीं पास था। अक्ल के नाम पर जीरो। बात-बात पर गाली, औरत की इज्जत करना नहीं जानता था।

मधुमिता ने बहुत हाथ-पैर मारे। मां के पैर पकड़े, बाप से रो-रोकर कहा, मैं रजत से प्यार करती हूं। उसके बिना नहीं रह पाऊंगी। पर किसी ने नहीं सुनी। कहा गया, शादी के बाद सब ठीक हो जाएगा। प्यार-व्यार दो दिन का नाटक है। रोटी असली चीज है। मधुमिता की सगाई कर दी गई।

जिस दिन सगाई हुई, रजत गांव के बाहर वाले पुल पर बैठा रहा। पूरी रात। सुबह जब लौटा तो आंखें सूजी हुई थीं। दोस्तों ने पूछा तो बस इतना बोला, मधु गई। उसके बाद रजत ने किसी से ज्यादा बात नहीं की। नौकरी के लिए शहर चला गया। छोटी सी कंपनी में क्लर्क लग गया।

उधर मधुमिता की शादी हो गई। धूमधाम से। बारात में पांच सौ लोग आए। लोगों ने कहा, लड़की की किस्मत खुल गई। पर मधुमिता की किस्मत उसी दिन फूट गई थी जिस दिन डोली उठी थी। ससुराल में पैसा बहुत था, पर इज्जत नहीं थी। पति शराब पीकर आता, गाली देता, मारता। सास ताने देती कि दहेज कम लाई। मधुमिता पढ़ना चाहती थी, पर कह दिया गया, बहू को नौकरी करने की क्या जरूरत।

वह घुटती रही। मायके आती तो हंसकर दिखाती कि सब ठीक है। पर मां की आंखें सब समझ जाती थीं। एक दिन मां ने पूछा, खुश है न बेटी? मधुमिता फूट-फूटकर रो पड़ी। बोली, मां, गलती हो गई। पैसा सब कुछ नहीं होता। पर अब क्या हो सकता था। शादी हो चुकी थी। समाज, बदनामी, परिवार की इज्जत, सबका बोझ उसके कंधे पर था।

रजत को सब खबर मिलती रहती थी। दोस्त बताते थे कि मधु परेशान है। रजत रात भर जागता। सोचता कि काश मैं उसे भगा ले जाता। पर तब क्या होता। मधुमिता पर बदचलन का ठप्पा लगता। उसके घर वाले जीते जी मर जाते। रजत ने अपना दर्द पी लिया। उसने ठान लिया कि अब शादी नहीं करेगा। मां-बाप ने बहुत दबाव डाला, पर वह नहीं माना। कहता, मोहब्बत एक बार होती है। मेरी हो गई।

चार साल बीत गए। एक दिन खबर आई कि मधुमिता नहीं रही। तबीयत खराब थी। सही इलाज नहीं हुआ। ससुराल वालों ने लापरवाही की। जब तक अस्पताल ले गए, देर हो चुकी थी। मरने से पहले उसने मां से बस इतना कहा, रजत से माफी मांग लेना। मैं वादा तोड़ गई।

मधुमिता के जाने की खबर सुनकर रजत तीन दिन तक कमरे से नहीं निकला। चौथे दिन गांव आया। सीधा श्मशान घाट। वहां राख ठंडी हो चुकी थी। रजत वहीं बैठ गया। लोगों ने उठाना चाहा, पर वह नहीं उठा। बोला, यहीं से ले गई थी, यहीं छोड़ गया। उसके बाद रजत पहले जैसा नहीं रहा। हंसना भूल गया। नौकरी करता रहा, मां-बाप की सेवा करता रहा, पर खुद के लिए जीना छोड़ दिया। दोस्त कहते, शादी कर ले, जिंदगी आगे बढ़ा। रजत जवाब देता, कुछ जिंदगियां आगे नहीं बढ़तीं। वहीं रुक जाती हैं जहां मोहब्बत छूट जाती है।

मधुमिता के घर वाले अब पछताते हैं। बाप सिर पकड़कर बैठा रहता है। कहता है, काश उस दिन बेटी की सुन ली होती। पर अब पछतावे से क्या। मधुमिता तो चली गई। और अपने साथ रजत की सारी खुशियां भी ले गई।

आज भी रजत अकेला है। उम्र चालीस के पार हो गई। बालों में सफेदी आ गई। कमरे में मधुमिता की एक पुरानी तस्वीर है। वही कॉलेज वाली। रजत रोज रात को उससे बात करता है। कहता है, मधु, देखो मैं आज भी तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।

मधुमिता अब नहीं लौटेगी, पर उसका नाम हमेशा जिंदा रहेगा।

मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ा प्रहार जरूरी

देश में मादक पदार्थों की बढ़ती तस्करी एक गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बनती जा रही है। यह समस्या केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गहरा प्रभाव डाल रही है। ऐसे समय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट में संशोधन की आवश्यकता जताना एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इस कानून को और अधिक प्रभावी तथा सख्त बनाने की जरूरत है, ताकि नशे के अवैध कारोबार में शामिल तस्करों और उनके नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार किया जा सके।

एनडीपीएस एक्ट देश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार को रोकने का प्रमुख कानून है। हालांकि समय के साथ तस्करों ने अपने तौर-तरीकों में बदलाव किया है और कानून की कुछ खामियों का फायदा उठाकर गिरफ्त से बचने का प्रयास किया है। ऐसे में राज्य सरकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे अपने अनुभवों के आधार पर कानून में आवश्यक संशोधनों के सुझाव केंद्र सरकार को दें। राज्यों की एजेंसियां जमीनी स्तर पर काम करती हैं और उन्हें इस बात की बेहतर जानकारी होती है कि तस्कर किन तरीकों से कानून को चुनौती दे रहे हैं।

देश में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), सीमा सुरक्षा बल, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही हैं। इसके बावजूद नशे के तस्करों के हौसले पूरी तरह पस्त नहीं हो सके हैं। इसका प्रमाण यह है कि देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार भारी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े जा रहे हैं। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में तस्करी की घटनाएं अधिक सामने आती हैं, क्योंकि ये क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े हुए हैं। भारत में पाकिस्तान, म्यांमार और ईरान जैसे देशों से नशीले पदार्थों की तस्करी लंबे समय से एक बड़ी समस्या रही है। पाकिस्तान सीमा के जरिए ड्रोन और अन्य आधुनिक माध्यमों का इस्तेमाल कर नशीले पदार्थ भेजे जाने के कई मामले सामने आए हैं। वहीं म्यांमार से लगने वाली सीमा भी तस्करों के लिए एक प्रमुख मार्ग बनी हुई है। इसके अलावा देश के भीतर भी सिंथेटिक ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थों के अवैध निर्माण के मामले बढ़े हैं, जो चिंता का विषय हैं।

आंकड़े भी इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। वर्ष 2004 से 2014 के बीच लगभग 26 लाख किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए गए थे, जबकि 2014 से 2026 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 1.18 करोड़ किलोग्राम से अधिक हो गया। यह सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता का प्रमाण है, लेकिन साथ ही यह भी बताता है कि तस्करी का नेटवर्क कितना व्यापक हो चुका है।

नशे का कारोबार केवल युवाओं के भविष्य को बर्बाद नहीं करता, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा पैदा होता है। नशीले पदार्थों की बिक्री से अर्जित धन का उपयोग अपराधी गिरोह और आतंकी संगठन अपने नेटवर्क को मजबूत करने, हथियार खरीदने और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने में करते हैं। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें भी इस बात की पुष्टि करती हैं कि आतंकवाद और संगठित अपराध के वित्तपोषण में मादक पदार्थों की तस्करी की बड़ी भूमिका होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल गिरफ्तारी और जब्ती की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। तस्करों की आर्थिक जड़ों पर प्रहार करना, उनकी संपत्तियां जब्त करना, धन शोधन के मामलों की जांच तेज करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना भी आवश्यक है। इसके साथ ही युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाने होंगे।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। कानूनों को समयानुकूल बनाना, सीमा सुरक्षा को और मजबूत करना तथा तकनीक का अधिक उपयोग करना समय की मांग है। यदि जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाए, तो नशे के इस खतरनाक कारोबार पर अंकुश लगाया जा सकता है। देश की युवा पीढ़ी और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए यह लड़ाई हर हाल में जीतनी होगी।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पिहोवा की भारत विकास परिषद शाखा ने लगाई मीठे जल की छबील पिहोवा

पिहोवा (मुकेश डोलिया): पिहोवा की भारत विकास परिषद शाखा के सदस्यों ने निर्जला एकादशी के दिन राहगीरों को भीषण गर्मी और प्यास से राहत दिलाने के लिए पिहोवा ड्रेन पर छबील लगाई ।

पर्यावरण प्रकल्प अध्यक्ष अजय रोहिल्ला ने बताया कि इस दिन जल सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य माना जाता है, जिसमें लोगों को ठंडा पानी, मीठा शरबत, और फल वितरित किए जाते हैं। निर्जला एकादशी पर अन्न और जल त्यागने की परंपरा है, इसलिए भक्तों और आमजन की प्यास बुझाने के लिए कई धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं विभिन्न स्थानों पर लंगर ,भंडारों और मीठे पानी की छबील का आयोजन करते हैं परिषद हमेशा पुण्य और जन कल्याण के कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेती है इस अवसर पर अध्यक्ष नवीन गर्ग उपाध्यक्ष राकेश खुराना, पर्यावरण प्रकल्प अध्यक्ष अजय रोहिल्ला, अजय गर्ग,वेद प्रकाश गर्ग निपुण गर्ग, मनोहर लाल शर्मा, बलविंदर सैनी सदस्य उपस्थित थे।

थाना तितरम पुलिस द्वारा शराब तस्कर काबू, 135 लीटर लाहण बरामद

कैथल (कृष्ण गर्ग): एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार थाना तितरम पुलिस द्वारा अवैध शराब का धंधा करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए गांव तितरम से प्यौदा रोड़ पर स्थित खेत कोठा पर से एक आरोपी को 135 लीटर लाहण सहित काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना तितरम पुलिस के एएसआई राममेहर सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव तितरम से प्यौदा रोड़ पर बिजली बोर्ड के पास स्थित खेत कोठा में दबिश देकर आरोपी गांव प्यौदा निवासी संदीप कुमार को काबू कर लिया गया। जांच दौरान खेत कोठा में रखे ड्रम से 135 लीटर लाहण बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना तितरम में मामला दर्ज करके पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर धोखाधड़ी मामले में आरोपी काबू

कैथल (कृष्ण गर्ग): विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से ठगी करने वालों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार कैथल पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 11 लाख रुपए की ठगी करने के मामले की जांच एंटी एमिग्रेशन सैल प्रभारी पीएसआई शुभ्रांशु की अगुवाई में एएसआई रणधीर सिंह की टीम द्वारा आरोपी दिल्ली निवासी कासिम मोहम्मद को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की ढांड निवासी सोहन लाल कि शिकायत अनुसार वह साल 2022 में सिंगापुर पढ़ाई के लिए गया था और वहां अपनी पढ़ाई नियमित रूप से कर रहा था। दिसंबर 2023 में उसकी वाट्सएप के माध्यम से पंजाब के होशियारपुर निवासी साहिल कुमार, परौली गांव रावतपुर कानपुर यूपी के दीपेंद्र सिंह और दिल्ली के कासिम मोहम्मद से बातचीत हुई।

तीनो ने दावा किया कि वे युवकों को विदेश भेजने का काम करते हैं और उसको सिंगापुर से ऑस्ट्रेलिया भेज देंगे। इसके लिए उन्होंने 12 लाख रुपये की मांग की। जनवरी 2024 में आरोपियों ने ढांड आकर उसके पिता से बातचीत की और भरोसा दिलाया कि वे सोहन लाल को सिंगापुर से ऑस्ट्रेलिया भेज देंगे। आरोपियों ने परिवार से पासपोर्ट की कॉपी और तीन लाख रुपये ले लिए। इसके बाद परिवार ने अतिरिक्त आठ लाख रुपये आरोपियों के खातों में भेज दिए। उन्होनें बाद में उसको ऑस्ट्रेलिया का वीजा भेजा। जनवरी 2024 को वह वीजा पर भरोसा कर सिंगापुर से इंडोनेशिया गया। वहां तीनों ने उसे करीब 10 दिन तक रखा। जब उसने इंडोनेशिया एंबेसी में वीजा दिखाया, तो पता चला कि वीजा नकली है। इसके बाद 24 जनवरी को वह भारत वापस आया। तीनों ने उसके साथ धोखाधड़ी करते हुए 11 लाख रुपये की ठगी की है। जिस बारे थाना ढांड में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी भी उक्त धोखाधड़ी की वारदात में शामिल था। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही हैं।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा अवैध पिस्तौल .32 बोर सहित आरोपी काबू

कैथल (कृष्ण गर्ग): जिला पुलिस द्वारा अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक थाना शहर क्षेत्र से अवैध पिस्तौल .32 बोर सहित आरोपी काबु किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई अजीत सिंह की टीम सायंकालीन गश्त दौरान पाडला रोड़ कैथल क्षेत्र में मौजूद थी। जहां एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक नौजवान लड़का अपने पास अवैध असला लेकर खनौरी रोड अंडर ब्रिज के पास किसी के इंतजार में खड़ा हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएसआई अजीत सिंह की टीम द्वारा तुरंत रेडिंग पार्टी का गठन करके मौके पर पहुंचकर बताए गए हुलिए के आधार पर एक संदिग्ध युवक को काबू किया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान गांव सुरता खेड़ा निवासी दिलबाग उर्फ भागु के रूप में बताई। तलाशी के दौरान आरोपी दिलबाग के कब्जे से एक देसी पिस्तौल .32 बोर बरामद हुई।

नशे की रोकथाम के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बनेगी ज्वाइंट टास्क फोर्सः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नशे की रोकथाम में सहयोग देने और परिवार, समाज व देश को नशामुक्त करने में सहयोग देने की शपथ दिलवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में नशे की रोकथाम के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में ज्वाइंट टास्क फोर्स बनाई जाएंगी जो नशे की बिक्री को रोकने और इसके कारोबार में लगे व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाएंगी। इस टास्क फोर्स को इतना सशक्त बनाया जाएगा कि नशे के सौदागरों के मन में इसे लेकर इतना डर पैदा होगा कि वे इस काम से तौबा कर लेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं के अनुरूप सिरसा में संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में अलग से 100 बिस्तरों के नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना करने, डबवाली के नशा मुक्ति केंद्र के बिस्तरों की संख्या 10 से बढ़ाकर 30 करने, ऐलनाबाद में 20 बेड का नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने तथा समसपुर में समृद्ध सेवा आश्रम के निर्माण संबंधी कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने लाडो लक्ष्मी योजना के अलावा, पेंशन को महंगाई के अनुसार बढ़ाने, पिछड़ी जातियों के लिए कल्याण बोर्ड के गठन, पिछड़े वर्ग के उद्यमियों को ऋण पर गारंटी देने, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, छात्रवृति योजनाओं में परिवार की आय सीमा को बढ़ाने सहित अन्य संकल्पों की भी विस्तार से समीक्षा की और इनके क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, 'सेवा' विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री अजय कुमार, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया तथा मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

लिफ्ट के बहाने युवक को लूटने वाला गिरोह बेनकाब, पति-पत्नी गिरफ्तार

चंडीगढ़/पंचकूला, 26 जून (पुनीत महाजन)- पंचकूला पुलिस ने लिफ्ट के बहाने युवक को फंसाकर नकदी, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पति-पत्नी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जबकि महिला आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 20 जून को पंचकूला निवासी एक युवक अमरावती की ओर जा रहा था। रास्ते में एक महिला ने उससे पिंजौर जाने के लिए लिफ्ट मांगी। बाद में महिला ने उसे ईशर नगर बुलाया, जहां उसके साथ मौजूद दो युवकों ने युवक को धमकाकर एटीएम से करीब 22 हजार रुपये निकलवा लिए। आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी छीन ली तथा उसे लोहगढ़ क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए।

जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने जिला कैथल निवासी बलवान सिंह और उसकी पत्नी सवनीत कौर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश और लूटा गया सामान बरामद करने में जुटी है।

पैगंबर हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सेक्टर-34 डीएसपी को सौंपा गया ज्ञापन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 जून (मुकेश डोलिया)

चंडीगढ़ के मुस्लिम समाज, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने समाजसेवी एवं आम आदमी पार्टी, चंडीगढ़ के अल्पसंख्यक विंग के प्रदेश अध्यक्ष शादाब राठी के नेतृत्व में सेक्टर-34 स्थित डीएसपी कार्यालय पहुंचकर भाजपा नेत्री नाज़िया इलाही द्वारा पैगंबर हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के संबंध में कथित रूप से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराई जाए तथा यदि जांच में कोई कानून का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधि के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पैगंबर हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों के लिए अत्यंत सम्मानित हैं। उनके संबंध में किसी भी प्रकार की कथित अपमानजनक टिप्पणी से धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं तथा इससे सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य पूरी तरह संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी भावनाएं प्रशासन तक पहुंचाना तथा समाज में अमन, सद्भाव और सभी धर्मों के सम्मान की भावना को मजबूत करना है।

इस दौरान अवतार सिंह, सनी कुमार, देवेश राजपूत, बबलू भाई, नवाब सिद्दीकी, रिजवान ख़ान, मज़हर ख़ान, गुफ़रान अली, इमरान कुदुसी, राशिद राणा, सहजाद अली, वसीम ख़ान, सलमान ख़ान सहित मुस्लिम समाज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ वार्ड नंबर-4 में मेगा डीप क्लीनिंग अभियान की शुरुआत, नागरिकों ने बढ़-चढ़कर निभाई भागीदारीः मेयर सौरभ जोशी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 जून (पुनीत महाजन)

स्वच्छ और सुंदर शहर के संकल्प को जन आंदोलन का रूप देते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने आज वार्ड नंबर-4 में मेगा डीप क्लीनिंग अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान में स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस, क्षेत्रीय पार्षद सुमन शर्मा, संयुक्त आयुक्त बलबीर राज सिंह, नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, सफाई कर्मचारी, विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मेयर श्री सौरभ जोशी ने नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि स्वच्छ शहर की नींव जनभागीदारी से ही मजबूत होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कचरे के उचित निस्तारण, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने और नगर निगम के स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन और नागरिक मिलकर कार्य करेंगे, तभी चंडीगढ़ को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जा सकेगा।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न विभागों की टीमों द्वारा वार्ड में व्यापक स्तर पर सफाई कार्य किए गए। इनमें सड़कों की सफाई एवं मैकेनाइज्ड रोड क्लीनिंग, नालों की सिल्ट सफाई, कूड़े एवं निर्माण सामग्री के मलबे को हटाना, झाड़ियों की कटाई-छंटाई, पार्कों एवं ग्रीन बेल्ट का रखरखाव तथा सार्वजनिक स्थलों की सफाई शामिल रही।

क्षेत्रीय पार्षद सुमन शर्मा ने नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक इसे अपना व्यक्तिगत दायित्व समझकर आगे आए।

अभियान के दौरान स्थानीय निवासियों ने सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे यह कार्यक्रम सामुदायिक जिम्मेदारी और नागरिक गौरव का प्रतीक बन गया। नगर निगम ने आश्वासन दिया कि इसी प्रकार के मेगा डीप क्लीनिंग अभियान शहर के अन्य वार्डों में भी लगातार चलाए जाएंगे, ताकि स्वच्छता मानकों को और बेहतर बनाया जा सके तथा स्थानीय नागरिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

पद्मश्री सम्मान से गौरवान्वित हुए संत निरंजन दास जी महाराज, इस्माईलाबाद में खुशी की लहर

» प्रथम न्यूज । इस्माईलाबाद
26 जून (सुनील कोमल)

संत समाज के प्रतिष्ठित संत एवं मानव सेवा के लिए समर्पित पूज्य संत निरंजन दास जी महाराज को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किए जाने पर इस्माईलाबाद क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है। क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक एवं गणमान्य नागरिकों ने इसे संत समाज, मानव सेवा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान का राष्ट्रीय सम्मान बताते हुए हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर इस्माईलाबाद के नागरिकों ने संत निरंजन दास जी महाराज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन धर्म, मानव सेवा, शिक्षा, समाज कल्याण तथा श्री गुरु रविदास जी महाराज की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया है। उनके प्रेरणादायी कार्यों से देशभर में लाखों लोगों को नई दिशा, सकारात्मक सोच और समाज सेवा की प्रेरणा मिली है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि संत निरंजन दास जी महाराज ने सदैव सामाजिक सद्भाव, समानता, भाईचारे और मानवता की सेवा

का संदेश दिया है। समाज के उत्थान तथा जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया जाना पूरे संत समाज, श्री गुरु रविदास समाज और देश के लिए गर्व एवं गौरव का विषय है। इस अवसर पर नगर पालिका इस्माईलाबाद के अध्यक्ष प्रतिनिधि चरंजीव गर्ग ने संत निरंजन दास जी महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके वर्षों के तप, त्याग, सेवा, समाज सुधार और आध्यात्मिक योगदान का राष्ट्रीय सम्मान है। उन्होंने कहा कि महाराज जी का जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है तथा उनके आदर्शों पर चलकर समाज में सेवा, सद्भाव और भाईचारे की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है। इस्माईलाबाद के नागरिकों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि संत निरंजन दास जी महाराज स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें तथा समाज को इसी प्रकार आध्यात्मिक मार्गदर्शन, मानव सेवा और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देते रहें।

इस अवसर पर धर्मपाल भोला, प्रदीप चोपड़ा, सतीश मुंडे, सरपंच जसबीर काठगढ़, विनोद मुंडे, अंग्रेज जैतपुरा, सुभाष मुंडे, सुखचैन, जसबीर माजरी, कृष्ण माजरी, राजेश डल्लामाजरा, ओम प्रकाश, संदीप कुमार, लाभ मुंडे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने संत निरंजन दास जी महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे क्षेत्र, संत समाज और मानव सेवा के क्षेत्र में कार्यरत सभी लोगों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण बताया।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा अवैध पिस्तौल .32 बोर सहित आरोपी काबू

» प्रथम न्यूज । कैथल
26 जून (कृष्ण गर्ग)

जिला पुलिस द्वारा अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक थाना शहर क्षेत्र से अवैध पिस्तौल .32 बोर सहित आरोपी काबु किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई अजीत सिंह की टीम सायंकालीन गश्त दौरान पाडला रोड़ कैथल क्षेत्र में मौजूद थी। जहां एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक नौजवान लड़का अपने पास अवैध असला लेकर खनौरी रोड अंडर ब्रिज के पास किसी के इंतजार में खड़ा हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएसआई अजीत सिंह की टीम द्वारा तुरंत रेडिंग पार्टी का गठन करके मौके पर पहुंचकर बताए गए हुलिए के आधार पर एक संदिग्ध युवक को काबू किया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान गांव सुरता खेड़ा निवासी दिलबाग उर्फ भागु के रूप में बताई। तलाशी के दौरान आरोपी दिलबाग के कब्जे से एक देसी पिस्तौल .32 बोर बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके एचसी सुशील कुमार द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही हैं।

इंटर्न विद्यार्थियों ने चंडीगढ़ कॉलोनी नं. 4 के नव-विकसित शहरी वन का किया भ्रमण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 जून (पुनीत महाजन)

भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (NEP) के अंतर्गत संचालित इंटर्नशिप फील्ड एक्सपोज़र एवं सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया (ESI), चंडीगढ़ द्वारा वन एवं वन्यजीव विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ के सहयोग से कॉलोनी नं. 4, इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित नव-विकसित शहरी वन का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया।

यह वन क्षेत्र वर्ष 2022 में न्यायालय के निर्देशों के उपरांत अवैध झुग्गी बस्ती हटाए जाने के बाद विकसित किया गया। आज यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध एक हरित शहरी वन के रूप में विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है।

कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज सेक्टर-11, डीएवी कॉलेज सेक्टर-10, चंडीगढ़ तथा डीएवी कॉलेज, करनाल के इंटर्न विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष इंजी. हेम राज सतीजा, अशोक कुमार बंसल, चांदनी शर्मा, नरेंद्र जेतक एवं आर.के. शर्मा सहित भारतीय एकता मंच के जनरल सेक्रेटरी-

कम-फाउंडर पुनीत महाजन और अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को इस शहरी वन के विकास, पर्यावरणीय महत्व तथा सामाजिक सहभागिता की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के सचिव एवं भारतीय एकता मंच के सचिव (पर्यावरण) एन.के. झिंगन ने बताया कि यह भूमि मूलतः वन एवं हरित क्षेत्र के लिए आरक्षित थी, किंतु वर्षों तक अतिक्रमण के कारण इसका स्वरूप बिगड़ गया था। न्यायालय के निर्देशों के बाद अतिक्रमण हटाकर वन एवं वन्यजीव विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ ने प्रशासन, नगर निगम, सामाजिक संस्थाओं एवं नागरिकों के सहयोग से यहां व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाकर इसे विकसित शहरी वन का स्वरूप प्रदान किया।

ब्लॉक फॉरेस्ट ऑफिसर बलविंदर सिंह एवं फॉरेस्ट गार्ड अमरिंदर सिंह ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि इस वन क्षेत्र में लगभग 50 प्रजातियों के 3,000 से अधिक वृक्ष एवं झाड़ियां लगाई गई हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पौधों की नियमित निगरानी की जाती है तथा सूखने या क्षतिग्रस्त होने वाले पौधों को तुरंत नए पौधों से प्रतिस्थापित किया जाता है, जिससे वन का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को गड्ढा तैयार करने, वैज्ञानिक पद्धति से पौधारोपण करने तथा पौधों की उचित देखभाल की व्यावहारिक जानकारी भी दी। सभी इंटर्न विद्यार्थियों ने स्वयं पौधे लगाए तथा भविष्य में चंडीगढ़ आने पर उनकी प्रगति देखने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

वन क्षेत्र के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने देखा कि किस प्रकार एक समय अतिक्रमण से प्रभावित भूमि को सुनियोजित प्रयासों के माध्यम से जैव विविधता से समृद्ध हरित वन में परिवर्तित किया गया है।

विद्यार्थियों ने वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जानकारी की सराहना करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन द एनवायरमेंट सोसायटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष इंजी. हेम राज सतीजा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने वन एवं वन्यजीव विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के फील्ड विजिट विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यवहारिक समझ, सामाजिक जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

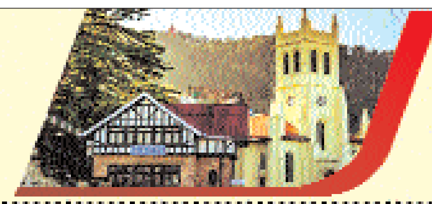

संक्षिप्त न्यूज

विकास खंड पट्टा की समस्त नवगठित पंचायतों की पहली बैठक शनिवार को

पट्टा मेहलोग,(तारा): विकास खंड पट्टा के तहत आने वाली सभी नवगठित 26 पंचायतों की पहली बैठक 27 जून को सम्बंधित मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी।

बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने बताया कि समाज मे फैल रहे नशे के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जिलाधीश सोलन के आदेशानुसार सभी जनप्रतिनिधि इस नशा मुक्त अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने जिलाधीश के आदेशों की अनुपालना में विकास खंड पट्टा के तहत आने वाली पंचायतों के समीप के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, कानूनगो, मुख्याध्यापकों,कनिष्ठ अभियंता व अधीक्षकों से अनुरोध किया है कि वे पंचायतो की शनिवार को आयोजित बैठकों के दौरान व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर सभी नवनिर्वाचित पंचायत प्रधान, उप प्रधान व वार्ड सदस्यों को नशा निवारण (एन्टी चिट्टा) की शपथ दिलवाना सुनिश्चित करें।

नालागढ़ में 5.63 ग्राम चिट्टा के साथ दो युवक गिरफ्तार पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत किया मामला दर्ज

बीबीएन (तारा): नालागढ़ के वार्ड 9 में स्थित गुफा वाले मंदिर के समीप बिना नंबर की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों से पुलिस ने चिट्टा व नकदी बरामद की। पुलिस ने युवकों की तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल से 5.63 ग्राम चिट्टा तथा 11,400 रुपये बरामद किए। इस संबंध में आरोपियों के विरूद्ध नालागढ़ पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान भविष्य उर्फ भानू (19 वर्ष) तथा अंकुर (18 वर्ष) हुई। दोनों नालागढ़ के वार्ड नं. 9, के रहने वाले है। एएसपी अशोक वर्मा ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बद्दी की पाइन ट्री कम्पनी में आज रक्तदान शिविर

बद्दी (तारा): बददी - बरोटीवाला मार्ग पर पाइनट्री पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड उधोग परिसर काठा नजदीक लक्कड़ डिपू बद्दी में 27 जून शनिवार को 13वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कम्पनी के एसोसिएट डायरेक्टर राजेश शर्मा ने बताया रोटरी ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्सिस सेंटर सेक्टर 37 चंडीगढ़ की टीम रक्त एकत्रित करेगी। उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति साल में प्रत्येक 3 माह बाद रक्तदान कर सकता है। इसलिए अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के भागीदार बने।

विधायक हरदीप बावा ने रत्योड पंचायत के दुगरी में सिंचाई के ट्यूबवैल का कार्य शुरू करवाया

नालागढ़26 जून(गुरजीत सिंह)- नालागढ़ के विधायक हरदीप बावा ने रतयोड़ पंचायत के दुगरी गांव में सवा करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सिंचाई ट्यूबवैल का काम शुरू कराया। विधायक ने भूमि पूजन के बाद बोरिंग मशीन लगाई। सिंचाई ट्यूबवैल कुछ ही दिनो में तैयार हो जाएगा। इस ट्यूबवैल पर लगभग सवा एक करोड़ रुपये व्यय किए जाएगा। इससे पूर्व विधायक के गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। लोगों ने विधायक के समक्ष अपनी मांगें रखी जिसे उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन दिया।

विधायक ने कहा इस तरह के ट्यूबवैल 10 और पंचायतो में लगाए जाएंगे। जिससे लोग अपनी जमीन को सिंचित कर सके। दुगरी में तीन सौ बीघा जमीन सिंचित हुई है। अब लोग यहां पर नकदी फसलें उगा कर अपनी आय बढ़ा सकते है। उन्होंने कहा कि जिन पंचायत में पीने और सिंचाई के पानी की समस्या है वहां पर नए ट्यूबवैल करवाये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार के सहयोग से नालागढ़ में विकास के नए आयाम स्थापित किये जा रहे है।

इस मौके पर रत्योड़ की प्रधान कमलेश कुमारी, उप प्रधान मोहन सिंह, वार्ड मेंबर करनैल सिंह, बुध राम, सोनी धीमान, परविंदर सिंह, पवन कुमार बिला, नाजिर सैहन, चमन सिंह, मोहिंदर पाल सिंह, सहायक अभियंता जसविंदर सिंह, कनिष्ठ अभियंता सुमित कुमार, दविंदर सिंह हैप्पी ओर अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अल्फा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने समर कैंप में किया भरपूर आनंद

बरठीं/बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- अल्फा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरठीं के विद्यार्थियों के लिए हमीरपुर स्थित कीज़ी फन पार्क में एक दिवसीय समर कैंप एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्विमिंग पूल, वाटर गेम्स, रेन डांस तथा अन्य मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। रंग-बिरंगे खेलों और गतिविधियों ने बच्चों के दिन को यादगार बना दिया। समर कैंप में विद्यार्थियों ने अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग का उत्कृष्ट परिचय दिया। अध्यापकों ने भी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस भ्रमण से विद्यार्थियों को प्रकृति के बीच समय बिताने, मित्रों के साथ मिलकर कार्य करने और नई ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्य टीडी शर्मा ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के आत्मविश्वास व व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए यादगार और शिक्षाप्रद बताया।

चंबा प्रतिभा और विकास की अपार संभावनाओं वाला जिला : कुलदीप सिंह पठानिया

शाइनिंग स्टार अवार्ड्स में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, विधानसभा अध्यक्ष ने दिए एक लाख रुपये, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने बढ़ाया जिले का मान, उत्कृष्ट शिक्षा का मिल रहा प्रमाण : पठानिया

» प्रथम न्यूज । चम्बा
26 जून (एएम नाथ)

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि जिला चंबा प्रतिभा, प्राकृतिक संसाधनों और विकास की अपार संभावनाओं से समृद्ध है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां के युवाओं ने शिक्षा, प्रशासन, सेना, खेल और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर जिले को विशिष्ट पहचान दिलाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि चंबा के युवा अपनी प्रतिभा और परिश्रम के दम पर भविष्य में भी प्रदेश और देश का नाम रोशन करते रहेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष गुरुवार को द न्यूज रडार अंग्रेजी समाचार चैनल के तत्वावधान में पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के दरबार हॉल में आयोजित शाइनिंग स्टार अवार्ड्स समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जिला चंबा के दसवीं और बारहवीं कक्षा की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में

विधायक नीरज नैय्यर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मानित होने वाले अधिकांश विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों से हैं, जो जिले की प्रतिभा और सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थी अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

उन्होंने द न्यूज रडार की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपनी ऐच्छिक निधि से एक लाख रुपये देने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने संस्था के हिम क्रेस्ट टैलेंट सर्च-2026 कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।

विधायक नीरज नैय्यर ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, निष्ठा और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और माता-पिता व शिक्षकों का सम्मान सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

कार्यक्रम में द न्यूज रडार की ओर से सुनील चड्ढा ने स्वागत भाषण दिया और चैनल की सामाजिक एवं पत्रकारिता संबंधी गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु चिकित्सकों ने चिट्टा (हेरोइन) के दुष्प्रभावों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जबकि विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। समारोह में उपायुक्त मुकेश रेपसवाल, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी, डॉ. पंकज गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नशा निवारण दिवस पर तड़ोली में लगी युवाओं ने दिया जनसेवा का संदेश

नहोणु महादेव कमेटी की पहल, राहगीरों को पिलाया शीतल जल

समाज सेवा और नशामुक्ति का दिया संदेश, युवाओं की पहल बनी मिसाल

» प्रथम न्यूज । चम्बा
26 जून (एएम नाथ)

नशा निवारण दिवस के अवसर पर गाँव तड़ोली में नहोणु महादेव कमेटी और स्थानीय युवाओं के सहयोग से एनएच-154 स्थित काली माता मंदिर के समीप ठंडे पानी की छबील लगाई गई।

भीषण गर्मी के बीच राहगीरों और वाहन चालकों को शीतल जल पिलाकर जनसेवा के साथ-साथ नशे से दूर रहने का संदेश भी दिया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने छबील का लाभ उठाया और युवाओं की इस सामाजिक पहल की सराहना की। छबील को सफल बनाने में मनोज गुरूजी, चमन शर्मा और बिट्टू भाई का विशेष सहयोग रहा। युवाओं ने सड़क पर गुजर रहे वाहनों को रोककर यात्रियों को ठंडा पानी पिलाया। राहगीरों ने कहा कि भीषण गर्मी में इस प्रकार के सेवा कार्य मानवता, भाईचारे और सामाजिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी युवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। नहोणु महादेव कमेटी के मनोज ठाकुर और रिंकू शर्मा ने बताया कि समिति समय-समय पर समाज की जरूरतों के अनुसार विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य करती रहती है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विकास शर्मा, धर्मपाल शर्मा, चमन लाला, बबलू शर्मा, कुका भाई सहित अनेक स्थानीय युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से सभी से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

चिट्टा के खिलाफ हिमाचल की सबसे बड़ी तकनीकी पहल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जल्द करेंगे सो-टॉक्सा मोबाइल मादक पदार्थ जांच प्रणाली का शुभारंभ-डीसी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
26 जून (धर्मपाल)

हिमाचल प्रदेश में नशे के विरुद्ध चल रहे अभियान को अब अत्याधुनिक तकनीक का मजबूत सहारा मिलने जा रहा है। चिट्टा और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए बिलासपुर जिला प्रशासन ने राज्य की पहली सो-टॉक्सा (SoTo&a) मोबाइल मादक पदार्थ जांच प्रणाली खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लगभग 19 लाख रूपए की लागत से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से खरीदी जा रही इस अत्याधुनिक प्रणाली का शुभारंभ मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा शीघ्र किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर पूरी दृढ़ता से कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना ही नहीं, बल्कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाते हुए हिमाचल को नशामुक्त प्रदेश बनाना है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में इस प्रणाली की एक मशीन को

पायलट परियोजना के रूप में स्थापित किया जाएगा।

इसके प्रदर्शन, सटीकता और उपयोगिता के मूल्यांकन के बाद आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त मशीनें भी खरीदी जाएंगी। इस पहल के साथ बिलासपुर आधुनिक मोबाइल मादक पदार्थ जांच प्रणाली अपनाने वाला हिमाचल प्रदेश का पहला जिला बन जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्रणाली व्यक्ति के मुख द्रव (लार) के नमूने के आधार पर मात्र पांच मिनट में जांच परिणाम उपलब्ध कराती है। यह चिट्टा (मेथाम्फेटामाइन) सहित एम्फेटामाइन, बेंजोडायजेपाइन, कैनाबिस (टीएचसी), कोकीन तथा ओपिएट्स जैसे छह प्रमुख प्रकार के मादक पदार्थों की मौके पर ही वैज्ञानिक जांच करने में सक्षम है। इससे पुलिस एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को त्वरित, सटीक और प्रमाणिक जांच सुविधा उपलब्ध होगी तथा संदिग्ध व्यक्तियों की तुरंत पहचान संभव हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली विशेष अभियान, पुलिस नाकों, सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े स्तर पर यादृच्छिक (रैंडम) जांच के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। कम समय में अधिक लोगों की जांच होने से नशे के विरुद्ध अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

राहुल कुमार ने कहा कि इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित विश्लेषण प्रणाली होगी। जांच से प्राप्त आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर नशे से प्रभावित क्षेत्रों, मादक पदार्थों की तस्करी के संभावित मार्गों, नए रुझानों तथा अपराध के पैटर्न की पहचान की जाएगी। यह विश्लेषण पुलिस विभाग के साथ साझा किया जाएगा ताकि साक्ष्य आधारित रणनीति तैयार कर चिट्टा और अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि सो-टॉक्सा प्रणाली क्यूआर कोड आधारित परीक्षण, स्वचालित गुणवत्ता नियंत्रण, हजारों जांच परिणामों के डिजिटल अभिलेख, त्वरित रिपोर्ट जनरेशन तथा सुरक्षित डेटा प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इससे जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और तकनीक आधारित बनेगी। उपायुक्त ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की समान भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अभिभावकों से अपने बच्चों की गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने तथा आम नागरिकों से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना प्रशासन एवं पुलिस को उपलब्ध कराने की अपील की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण और जनसहभागिता के समन्वय से बिलासपुर नशे के विरुद्ध एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरेगा तथा यह पहल भविष्य में पूरे प्रदेश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में 'नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान' के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
26 जून (गुरजीत सिंह)

राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में 'नशा मुक्त भारत अभियान ङ्क विकसित भारत की पहचान' के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना था। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ललित गुलेरिया, उप-प्राचार्य डॉ. अनुज साहनी, डॉ. नीलकांत शर्मा, लेफ्टिनेंट डॉ. पूजा, लेफ्टिनेंट डॉ. प्रशांत, प्रो. देवेश तथा प्रो. सिंधुजा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 50 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें एनसीसी के छात्र एवं छात्रा कैडेट्स, रोवर्स तथा रेंजर्स शामिल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ नशा मुक्ति शपथ के साथ किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। इसके पश्चात एक विशाल जन-जागरूकता रैली निकाली गई, जो महाविद्यालय परिसर से विभिन्न स्थानों से होती हुई मुख्य बाजार तक पहुंची। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने नारे लगाकर तथा जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एनसीसी (G) कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। नाटक के माध्यम से नशे की लत के दुष्प्रभावों, परिवार एवं समाज पर उसके नकारात्मक प्रभावों तथा नशे से बचाव के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं एवं आमजन से नशे से दूर रहने तथा विकसित एवं नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनसीसी, रोवर्स एवं रेंजर्स इकाइयों के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दभोटा के सतनाम सिंह सैनी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
26 जून (गुरजीत सिंह)

उपमंडल नालागढ़ की ग्राम पंचायत दभोटा के निवासी सतनाम सिंह सैनी को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला द्वारा पीएचडी की उपाधि मिली।

उन्होंने अपना शोधकार्य हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला में कश्मीर अध्ययन केन्द्र के निर्देशक प्रोफेसर डॉक्टर मलकीत सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

सतनाम सिंह सैनी ने कश्मीर घाटी में मंदिरों के टूटने और तीर्थमार्गो और तीर्थस्थलों के बन्द होने के कारण, उनकी वर्तमान स्थिति, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर(POK) के एतिहासिक मंदिरों और भविष्य मे उनके पुन: उत्थान के लिए विशेष सुझावों को प्रस्तुत किया है। संभवत: ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी ने कश्मीर घाटी के मन्दिरों और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (POK) मे मौजूद ऐतिहासिक मंदिरों तीर्थ स्थलों के विषय पर शोध किया हैं।

मौखिक परिक्षा के दौरान बाह्य परिक्षक प्रोफेसर डॉक्टर सुषमा यादव (Member UGC & Former Vice Chancellor) ने शोध कार्य की सराहना करते हुए इसे हर दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया और शोधार्थी के कार्य की प्रशंसा की।

उनकी इस उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के प्रौफैसर, शोधार्थियों और प्रबुद्धजनों ने बधाई दी और इस उपलब्धि को अकादमिक उत्कृष्टता एवं शोध नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए भविष्य में भी उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर सतनाम सिंह सैनी ने अपने सभी गुरुजनों, परिजनों और वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने समय-समय पर उनका मार्गदर्शन किया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश : गुरमीत

कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समाज के सशक्तिकरण और सम्मान को नई दिशा दी

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आज शिमला ग्रामीण के सुन्नी मंडल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुँचाना रहा।

इस अवसर पर शिमला जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार परविंदर सिंह चड्ढा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष गुरलीन सिंह, शिमला शहरी मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार नरेंद्र सिंह, सोशल मीडिया प्रदेश सदस्य हिमांशी तथा अल्पसंख्यक मोर्चा की सोशल मीडिया एवं मीडिया प्रभारी मीनाक्षी

सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण और मातृ सम्मान का एक राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गुरमीत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के विकास, शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर कार्य करते हुए प्रत्येक वर्ग तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्वला योजना, जनधन योजना, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन तथा पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समाज सहित देश के करोड़ों नागरिकों तक पहुँचा है। साथ ही शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देकर अल्पसंख्यक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

आयरलैंड ने भारत को हराकर पलट दिया टी20 क्रिकेट का इतिहास, टीम इंडिया को मिली शर्मनाक हार

लॉर्कन टकर की कप्तानी पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर आयरलैंड ने भारत को मात दी है। इसी के साथ उन्होंने टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार टीम इंडिया को हराया है। इससे पहले ये टीम कभी भी भारत को नहीं हरा सकी थी। टीम इंडिया की बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा के अलावा अन्य कोई कमाल नहीं कर सका और इसी वजह से हार का सामना करना पड़ा।

आयरलैंड के पहले बल्लेबाजी करते हुए टकर ने अर्धशतक लगाया था और अपनी टीम को 182 के स्कोर तक पहुंचाया था। इसके जवाब में टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा और आयरिश टीम ने मेहमानों को 34 रनों से हराया। इसी के साथ आयरलैंड ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारतीय गेंदबाजों की शानदार शुरुआत

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। आयरिश टीम ने 20 रनों पर पहला विकेट गंवाया।

इसके बाद उनके 30 रन 3 विकेट गिर चुके थे। पावरप्ले में आयरलैंड ने बहुत ही धीमी बल्लेबाजी की और मात्र 36 रन बनाए। उन्होंने 51 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया था। हर्षित राणा ने लंबे समय बाद टी20 टीम में वापसी की और पावरप्ले में 2 विकेट चटकाए।

लॉर्कन टकर और गेराथ डिलानी की शानदार बल्लेबाजी

भारतीय गेंदबाज शुरुआत से हावी रहे लेकिन मध्य ओवरों में आयरिश बल्लेबाजों ने वापसी की। आयरलैंड के परमानेंट कप्तान बने टकर ने कमाल की बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। उन्होंने 36 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 2 छक्के निकले। उनके अलावा गेराथ डिलानी ने भी कमाल की बैटिंग की लेकिन अर्धशतक लगाने से चूक गए और 49 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और उतने ही छक्के जड़े।

संजू सैमसन-ईशान किशन और श्रेयस अय्यर फ्लॉप

आयरलैंड के 183 रनों के लक्ष्य के जवाब में टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही। टीम इंडिया ने अपना पहला विकेट 16 रनों के स्कोर पर संजू सैमसन (5) के रूप में गंवाया। इसके बाद तीसरे नंबर पर आए बैटिंग करने ईशान किशन का बल्ला भी नहीं चला। वे 5 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए।

किशन के आउट होने के बाद कप्तान अय्यर मैदान पर आए और उनसे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, अय्यर बल्ले से फ्लॉप हो गए और 7 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। इसी के साथ मेन ब्लू ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए थे।

अभिषेक शर्मा का अर्धशतक

भारत के एक छोर विकेट गिर रहे थे लेकिन अभिषेक शर्मा दूसरे छोर पर क्रीज पर जमे रहे।

उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। वे अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और 50 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने इसी के साथ रिकॉर्ड बना दिया। वे आयरलैंड के खिलाफ सबसे तेज फिफ्टी लगाने के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत को पहली बार मिली हार

आयरलैंड क्रिकेट टीम ने पहली भारत को टी20 इंटरनेशनल में हराया है। इससे पहले भारत को आयरिश टीम को वनडे और टी20 में हार नहीं मिली थी। भारत के लिए अंत में शिवम दुबे ने कोशिश की लेकिन वे भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा (19), वॉशिंगटन सुंदर (9) और अक्षर पटेल (15) सस्ते में आउट हो गए।

आयरलैंड के खिलाफ भारत की पहली हार से हाहाकार, टीम इंडिया की नैया डुबोने वाले 5 विलेन कौन?

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में शुक्रवार को पहली बार टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी भारतीय टीम को आयरलैंड के हाथों 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। टी20 इंटरनेशनल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब आयरलैंड ने भारत को हराया हो। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान आयरलैंड ने 182 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई। भारत की हार के कारण 5 प्लेयर रहे।

प्रसिद्ध कृष्णा

आयरलैंड के खिलाफ भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने जमकर रन लुटाए। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में 14.20 की इकोनॉमी से 57 रन लुटाए। इस दौरान उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला। उन्होंने 17वें ओवर में 27 रन खर्च किए। ञ्20 इंटरनेशनल में आयरलैंड के खिलाफ भारतीय गेंदबाज के तौर पर प्रसिद्ध का 27 रन वाला ओवर सबसे महंगा ओवर है।

संजू सैमसन

183 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन के रूप में पहला झटका लगा। संजू ने 4 गेंदों पर 5 रन बनाए। डेब्यू मैच खेल रहे भारतीय मूल के जय मूंदरा ने उन्हें बोल्ड किया। यहीं से भारतीय टीम लगातार विकेट खोती चली गई।

ईशान किशन

संजू के आउट होने के बाद 3 नंबर पर उतरे ईशान किशन ने संभलकर बल्लेबाज नहीं की। बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में वह कैच आउट हुए। ईशान ने 5 गेंदों का सामना किया और वह 1 रन ही बना सके।

श्रेयस अय्यर

हाल ही में श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। अय्यर की कप्तानी में यह पहला टी20 मैच था। हालांकि, उनका बल्ला भी नहीं चला। अय्यर ने 7 गेंदों का सामना किया और वह 3 रन ही बना सके।

वॉशिंगटन सुंदर

भारतीय पारी शुरुआत से ही लड़खड़ा गई थी, ऐसे में सुंदर को बल्लेबाजी में प्रमोट किया गया। हालांकि, वह इस मौका का फायदा नहीं उठा पाए। सुंदर ने 12 गेंदों का सामना किया और 9 रन बनाए। इससे पहले गेंदबाजी में उन्होंने 1 ओवर किए और 19 रन लुटा दिए।

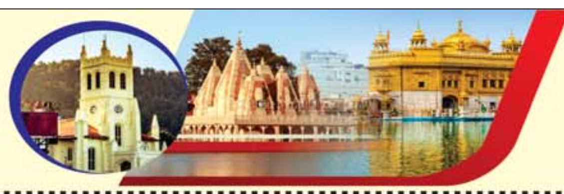

उड़नपरी सीमा का स्वर्णिम कमाल, राष्ट्रीय इंटरस्टेट चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

5000 मीटर दौड़ में सीमा बनी राष्ट्रीय चैंपियन, एशियन गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

» प्रथम न्यूज । चम्बा

26 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले की अंतरराष्ट्रीय धाविका और उड़नपरी के नाम से पहचान बना चुकी सीमा ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में चम्बा और हिमाचल का नाम रोशन किया है।

भुवनेश्वर (ओडिशा) के कलिंगा स्टेडियम में 24 से 28 जून तक आयोजित 65वीं राष्ट्रीय इंटरस्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सीमा ने 5000 मीटर दौड़ 16:11.04 मिनट में पूरी कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह देश की सबसे प्रतिष्ठित ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में शामिल है, जहां से एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाता है। सीमा पहले ही विदेशी प्रतियोगिता में निर्धारित समय सीमा पूरी कर एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाइंग मार्क हासिल कर चुकी थीं। हालांकि अंतिम चयन के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान प्राप्त करना जरूरी था। स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही अब उनका एशियन गेम्स के लिए चयन भी सुनिश्चित हो गया है।

चम्बा की बेटी सीमा ने बढ़ाया प्रदेश का मान, अब एशियन गेम्स में गोल्ड पर नजर

इस उपलब्धि के पीछे सीमा की कड़ी मेहनत और उनके विदेशी कोच स्कॉट सिमंज् (अमेरिका) तथा भारतीय कोच अजीथ मार्कोज़ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीमा ने अपनी सफलता का श्रेय दोनों कोचों के साथ-साथ अपने प्रायोजक रिलायंस यूथ स्पोर्ट्स को भी दिया, जिसने उनके प्रशिक्षण और तैयारियों में अहम भूमिका निभाई।

सीमा का अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। वह 28 जून को इसी प्रतियोगिता में 10,000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगी। अब उनका अगला लक्ष्य सितंबर में जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाना है। सीमा की इस उपलब्धि पर पूरे चम्बा और हिमाचल प्रदेश में खुशी का माहौल है।

दुष्कर्म प्रयास पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज नहीं करने के खिलाफ संघर्ष में जुटे अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे

» प्रथम न्यूज । कानपुर

26 जून (सुनील बाजपेई)

इस महानगर में वासना के दरिंदो की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। वह आए दिन किसी न किसी लड़की को अपना शिकार बनाने में सफल हो रहे हैं। ऐसी ही एक और घटना का शिकार एक और युवती हो गई। यह मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र का है ,जहां गांव में रहने वाली युवती ने गांव के ही एक युवक पर जबरन पकड़कर अश्लील हरकत करने और दुष्कर्म का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है।

उसका आरोप यह भी है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस ने न तो प्राथमिकी दर्ज की है और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई की है। जिसके खिलाफ हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले समाज सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी और पीड़ितों को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए भी चर्चित तेजतर्रार और व्यवहार कुशल अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने भी पुलिस के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोल दिया है।

आयोजित प्रेस वार्ता में अपने अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे के माध्यम से पीड़िता ने बताया कि उसके पिता ई-रिक्शा चालक हैं। आरोप है कि 10 जून की रात वह अपने पिता के ई-रिक्शा का चार्जर निकालकर घर में रखने जा रही थी, तभी गांव निवासी जय तिवारी अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और उसे जबरन पकड़ लिया।

युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं तथा दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने की आहट पाकर आरोपी और उसके साथी मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने डायल-112 पर सूचना दी और थाना चौबेपुर में शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप पीड़िता ने लगाया है।

पीड़िता को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने बताया कि मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त तथा डीसीपी वेस्ट से भी की गई है, लेकिन अब तक आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पूरे भा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कि किए जाने की जोरदार मांग भी की है। फिलहाल इस मामले की जांच डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने एडीसीपी वेस्ट राजेश कुमार पाण्डेय को सौंपी है। जिसकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक विधिक आ कार्रवाई की जाएगी।

शहीद की पत्नी ने फर्जी कर्नल पर लगाए गंभीर आरोप, करोड़ों की ठगी का दावा

पंचकूला (पुनीत महाजन)- कानपुर की एक शहीद सैनिक की पत्नी ने पंचकूला निवासी एक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि आरोपी ने स्वयं को भारतीय सेना में कर्नल बताकर पहले उनका विश्वास जीता और बाद में यौन शोषण, धोखाधड़ी तथा

ब्लैकमेलिंग के जरिए उनसे लगभग 1.75 करोड़ रुपये की ठगी की।

महिला ने बताया कि उनके पति की शहादत के बाद आरोपी उनसे मिला और खुद को उनके पति का परिचित और सेना का वरिष्ठ अधिकारी बताया। उसने मृतक सैनिक का लंबित डेथ क्लेम दिलाने का भरोसा देकर महिला की मदद करने का दावा किया।

इसके बाद लगातार संपर्क में रहकर उसने कई बार अलग-अलग बहाने से उन्हें बुलाया और भरोसा बनाए रखा।

आरोप है कि 2023 में आरोपी ने पंचकूला के एक होटल में बुलाकर महिला को नशीला पदार्थ दिया, जिसके बाद उनके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद कथित रूप से आपत्तिजनक तस्वीरें दिखाकर उन्हें वायरल करने की धमकी दी गई और लगातार पैसों की मांग शुरू हो गई। महिला का दावा है कि लगभग डेढ़ साल तक ब्लैकमेलिंग के जरिए उनसे बड़ी रकम वसूली गई।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने खुद को न सिर्फ सेना का अधिकारी बताया बल्कि राजनीतिक संबंधों का भी दावा किया। बाद में जांच के दौरान पता चला कि उसके खिलाफ पहले भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज रहे हैं और वह फर्जी पहचान का उपयोग करता रहा है।

महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म, धोखाधड़ी, फर्जी पहचान और ब्लैकमेलिंग जैसी धाराओं में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है और सभी तथ्यों की पुष्टि की जा रही है।

आदमपुर हवाई अड्डे का नाम श्री गुरु रविदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आदमपुर समूचे समाज का सम्मान

किसी सरकार ने पहले रविदासिया समाज के लिए ऐसा नहीं किया : भाजपा

» प्रथम न्यूज । जालंधर

26 जून (शैली अल्बर्ट)

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की शिक्षाओं एवं मानवता के संदेश को विश्वभर में प्रचारित करने वाले डेरा सचखंड बल्लां के गद्दीनशीन संत श्री 108 निरंजन दास जी महाराज को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किए जाने पर भाजपा नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हृदय से आभार व्यक्त किया।

भाजपा जालंधर शहरी के उपाध्यक्ष भूपिंदर सिंह ने कहा कि संत निरंजन दास जी महाराज ने समाज में समानता, भाईचारा, मानव सेवा तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके द्वारा किए गए सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाना न केवल उनके लिए बल्कि पूरे संत समाज और रविदासिया समाज के लिए गौरव का विषय है।

भाजपा पार्षद रवि कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने संत महापुरुषों के योगदान को सम्मान देने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। इसी क्रम में आदमपुर हवाई अड्डे का नाम श्री गुरु रविदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आदमपुर रखा गया, जिससे देश और विदेश में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं तथा रविदासिया समाज की भावनाओं का सम्मान हुआ है।

अनुसूचित जाति मोर्चा जालंधर के अध्यक्ष अजमेर सिंह बादल कहा कि देश में अनेक सरकारें आईं और गईं, लेकिन संत समाज तथा रविदासिया समाज की भावनाओं को समझते हुए इस प्रकार के ऐतिहासिक निर्णय बहुत कम लिए गए। वर्तमान केंद्र सरकार ने संतों, गुरुओं और महापुरुषों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य किया है, जिसके लिए समाज सदैव कृतज्ञ रहेगा। भाजपा नेताओं ने संत श्री 108 निरंजन दास जी महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर समाज सेवा की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा जालंधर शहरी के उपाध्यक्ष भूपिंदर सिंह, पार्षद रवि कुमार, भाजपा नेता गौरव महे, अनुसूचित जाति मोर्चा जालंधर के अध्यक्ष अजमेर सिंह बादल, अनुसूचित जाति मोर्चा जालंधर के महासचिव रोशनल लाल हीर, भाजपा प्रवक्ता सनी शर्मा, भाजपा प्रवक्ता एडवोकेट दविंदर लुबाना डिंपी, भाजपा प्रवक्ता हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा पंजाब के प्रवक्ता ललित बब्बू, मास्टर रामपाल, रवि कुमार, राज कुमार, तरसेम सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

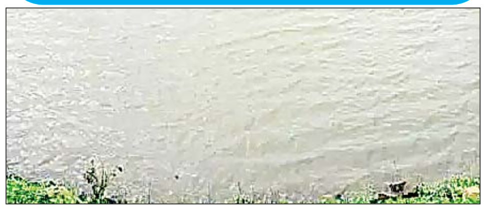

तालाब में डूबी दो बहनें, दोनों की मौत

धमतरी (ब्यूरो): जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कपालपोड़ी से एक बेहद ही हृदयविदारक और दुखद खबर सामने आई है। यहाँ बाजार चौक के पास स्थित एक तालाब में नहाने गई दो सगे संबंधियों की मासूम बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे इलाके और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, आज मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण स्कूल बंद था। सुबह करीब 9-30 बजे दोनों मासूम बच्चियां एक साथ गांव के ही बाजार चौक स्थित तालाब में नहाने के लिए गई थीं।

इसी दौरान गहराई का अंदाजा न होने के कारण दोनों बच्चियां पानी में डूब गईं। हादसे का पता तब चला जब गांव की ही एक महिला, प्रेमीन बाई, तालाब में नहाने पहुँचीं। उन्होंने तालाब के घाट पर बच्चियों के कपड़े और बाल्टी रखे हुए देखे, लेकिन आसपास कोई भी बच्चा दिखाई नहीं दिया। अनहोनी की आशंका को देखते हुए महिला ने तुरंत इसकी सूचना बच्चियों के परिजनों और ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों ने जब तालाब में तलाश की, तो दोनों बच्चियों के शव बरामद हुए। मृतक बच्चियां एक ही परिवार की बताई जा रही हैं, जिनकी उम्र महज 8 वर्ष थी। उनकी पहचान इस प्रकार हुई है।

आदत से लाचार गुरु जी ने स्कूल अंदर गटका शराब

कबीरधाम (ब्यूरो): जिले के पंडरिया विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम तेलियापानी लेदरा से शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। आरोप है कि शिक्षक सुरेश कुमार नेताम को स्कूल परिसर में शराब पीते हुए देखा गया। गौरतलब है कि, शिक्षा के मंदिर में इस तरह की गतिविधि ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार लापरवाही के मामलों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से जिला शिक्षा अधिकारियों की जवाबदेही भी कटघरे में है।

वहीं 22 जून को जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड में पदस्थ एक शिक्षक और शिक्षिका से जुड़ा कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो को लेकर अभिभावकों, ग्रामीणों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने चिंता व्यक्त की है तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार को सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें एक शिक्षक और शिक्षिका के आपत्तिजनक स्थिति में होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, अब तक प्रशासन या शिक्षा विभाग की ओर से वीडियो की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

उज्जैन में दिनदहाड़े युवती पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला, 13 सेकंड में किए 15 से ज्यादा वार

उज्जैन मध्य (ब्यूरो): प्रदेश के उज्जैन शहर से दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जो हर किसी को हैरत में डाल देगी। यहां के नीलगंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले माधव क्लब रोड स्थित दवा बाजार में एक युवती पर जानलेवा हमला हुआ है।

सरेराह हुए इस खूनी खेल से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार दवा बाजार की एक मेडिकल शॉप दयाल फार्मा पर काम करने वाली युवती पर एक सिरफिरे युवक ने सरेआम चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक अपना वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

यह पूरी खौफनाक वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई जिसमें देखने पर साफ हो रहा है कि आरोपी युवक आता है और युवती से बात करने लगता है। बातचीत के दौरान ही वह अचानक चाकू निकाल लेता है और महज 13 सेकंड के भीतर युवती पर 15 से अधिक वार कर देता है। सिरफिरे ने युवती के सिर, पेट, गर्दन और पीठ पर बेरहमी से ताबड़तोड़ हमले किए।

जब आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा होने लगे तो युवक डरकर वहां से भाग निकला। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक पिछले कई दिनों से युवती को परेशान कर रहा था। लहूलुहान और गंभीर हालत में युवती को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घायल युवती का नाम पूजा बताया जा रहा है, जो बापू नगर की रहने वाली है। वारदात के बाद उसे पहले शासकीय चरक अस्पताल लाया गया था, जहाँ से बाद में उसे एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया। फिलहाल अस्पताल में उसका उपचार जारी है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नीलगंगा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक हमला करने वाले आरोपी युवक का नाम सुनील बताया जा रहा है, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है ।

40 सेकंड में श्मशान बन गया वेनेजुएला, सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा तबाही का मंजर; मलबे में दबीं हजारों जिंदगियां

» प्रथम न्यूज । काराकस
26 जून (एजेंसी)

जरा सोचिए, एक रात पहले तक जहां सब कुछ बिल्कुल सामान्य था, स्पेस से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में घर, सड़कें और पूरा शहर सुरक्षित नजर आ रहा था, वहां अचानक सब कुछ मलबे के ढेर में तब्दील हो जाए। वेनेजुएला में ठीक ऐसा ही खौफनाक मंजर देखने को मिला है। यहां 40 सेकंड से भी कम समय के भीतर 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो बेहद शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 235 लोगों की दर्दनाक मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4,300 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। प्रशासन को आशंका है कि मलबे में दबे लोगों के कारण मौतों का यह आंकड़ा अभी और भी भयानक रूप ले सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरों ने बयां की तबाही की खौफनाक दास्तान

वेनेजुएला के उत्तर-मध्य राज्य ला गुएरा और काराकस मेट्रोपॉलिटन इलाके में इस भूकंप ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। स्पेस से ली गई भूकंप से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरों ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। 8 मई की तस्वीरों में ला गुएरा का जो इंडस्ट्रियल एरिया पूरी तरह सुरक्षित और आबाद दिख रहा था, वह 25 जून की तस्वीरों में पूरी तरह मिट्टी में मिला हुआ नजर आ रहा है। मलबे से उठी धूल के गुबार ने सैटेलाइट की तस्वीरों को भी धुंधला कर दिया है। इसके अलावा, ला गुएरा के गोदामों, प्लाया ग्रांडे की बहुमंजिला इमारतों और वर्गास म्युनिसिपैलिटी के प्लाया प्यूर्टो विएजो की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें साफ दिख रहा है कि कैसे पलक झपकते ही पूरी की पूरी इमारतें जमींदोज हो गईं और लाल रंग की छत वाले गोदाम पूरी तरह मलबे में बदल गए।

मलबे में अपनों की तलाश और आफ्टरशॉक्स का भारी खतरा

इस भीषण त्रासदी के बाद वेनेजुएला की सड़कों पर चीख-पुकार मची हुई है। लोग अपने परिवार वालों और दोस्तों को बचाने के लिए नंगे हाथ मलबे की ओर दौड़ पड़े हैं। बचाव और राहत दल लगातार जिंदगियां बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं, लेकिन हर तरफ फैले मलबे के विशाल पहाड़ के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। भूकंप आने के 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी ढही हुई इमारतों के नीचे लोगों के फंसे होने की दर्दनाक खबरें लगातार आ रही हैं। कई जगहों पर समय पर मदद न पहुंच पाने के कारण मलबे के नीचे शव नजर आ रहे हैं। वहीं, लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटके) ने स्थिति को और भी खतरनाक बना दिया है, जिससे बची हुई जर्जर इमारतों के भी गिरने का खतरा मंडरा रहा है और बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

जमीन के बेहद करीब रिलीज हुई विनाशकारी ऊर्जा

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस तबाही का सबसे बड़ा कारण इन दोनों भूकंपों का जमीन के बेहद करीब आना था। ये दोनों शक्तिशाली झटके जमीन के अंदर मात्र 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आए, जिसके कारण भूकंप की अधिकांश विनाशकारी ऊर्जा सतह के बिल्कुल निकट ही रिलीज हो गई। सबसे भयानक बात यह रही कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के इन दोनों बड़े झटकों के बीच एक मिनट से भी कम का फासला था, जिसने लोगों को संभलने या भागने का कोई मौका ही नहीं दिया और इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं।

मुंडका में दर्दनाक हादसा : सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से तीन मजदूरों की मौत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
26 जून (ब्यूरो)

बचाने उतरे दो साथी भी फंसे, दिल्ली अग्निशमन सेवा ने निकाले शव

पश्चिमी दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार दोपहर एक फैक्ट्री में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन तब तक तीनों मजदूरों की मौत हो चुकी थी।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12-03 बजे ज्वाला पुरी फायर स्टेशन को सूचना मिली कि मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्री नंबर 93/8 में कुछ लोग सेप्टिक टैंक में फंस गए हैं। इसके बाद दो वाटर टेंडर तुरंत रवाना किए गए, जबकि ट्रैफिक जाम की वजह से टिकरी फायर स्टेशन से अतिरिक्त वाहन भी भेजा गया।

बचाव अभियान के दौरान एसडीएम मुंडका को भी मौके पर बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को बाहर निकाला, लेकिन वे मृत पाए गए।

मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है, जो सुल्तानपुरी इलाके के निवासी बताए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक मजदूर टैंक में उतरा था, जो जहरीली गैस की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए दो अन्य मजदूर भी नीचे उतरे, लेकिन वे भी फंस गए और उनकी जान नहीं बच सकी।

मुंडका थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों के पालन की भी जांच की जा रही है।

BJP का अकाली दल से गठबंधन पर बोले नितिन नवीन, चुनावों से पहले दिया ये बड़ा संकेत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 जून (ब्यूरो)

पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के संभावित गठबंधन को लेकर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल पार्टी का पूरा ध्यान राज्य में अपने संगठन को मजबूत करने पर है। गठबंधन को लेकर कोई भी निर्णय उचित समय पर राजनीतिक परिस्थितियों और जनता के रुख का आकलन करने के बाद ही लिया जाएगा। हाल ही में जालंधर में आयोजित एक मीडिया संवाद के दौरान गठबंधन से जुड़े सवाल पर नितिन नवीन ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में भाजपा पंजाब की सभी विधानसभा सीटों पर अपने संगठन को सशक्त बनाने के अभियान में जुटी हुई है। पार्टी अभी अपने दम पर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस समय न तो गठबंधन के पक्ष में कोई निर्णय लिया गया है और न ही इसके खिलाफ। चुनाव नजदीक आने पर परिस्थितियों का मूल्यांकन कर अंतिम फैसला किया जाएगा।

अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने पर जोर: नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता अपनी संगठनात्मक क्षमता और जनाधार को मजबूत करना है। अगले छह महीनों तक पार्टी नए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में गांव-गांव और शहर-शहर जाकर जनता के बीच पहुंचेगी, स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और संगठन का विस्तार करेगी। उन्होंने कहा कि समय के साथ कई राजनीतिक स्थितियां स्वतः स्पष्ट हो जाएंगी, जिनके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

छह महीने बाद होगा गठबंधन पर मंथन: उन्होंने कहा कि गठबंधन पर चर्चा के लिए अभी पर्याप्त समय है। अगले छह महीनों में भाजपा जनता की प्रतिक्रिया, राजनीतिक परिस्थितियों और संगठन की मजबूती का आकलन करेगी। इसके बाद ही यह निर्णय लिया जाएगा कि भविष्य में किसी दल के साथ चुनावी समझौता किया जाए या पार्टी अकेले मैदान में उतरे।

राजनीतिक गलियारों में बढ़ी चर्चा: नितिन नवीन के इस बयान को पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके बयान से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि भाजपा ने शिरोमणि अकाली दल या अन्य अकाली गुटों के साथ संभावित गठबंधन की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। हालांकि फिलहाल पार्टी की रणनीति स्वतंत्र रूप से अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने और संगठन को विस्तार देने पर केंद्रित है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले महीनों में राज्य की बदलती परिस्थितियां भाजपा की भावी रणनीति और संभावित गठबंधन की दिशा तय कर सकती हैं।

खुफिया एजेंसी IB को मिला नया बॉस, आर्टिकल 370 हटने के बाद कश्मीर संभालने वाले महेश दीक्षित बने चीफ

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
26 जून (ब्यूरो)

भारत की प्रमुख खुफिया एजेंसी 'इंटेलिजेंस ब्यूरो' (IB) में बड़े बदलाव की तैयारी पूरी हो गई है। केंद्र सरकार ने स्पेशल डायरेक्टर महेश दीक्षित को प्रमोट करते हुए उन्हें इंटेलिजेंस ब्यूरो का नया चीफ नियुक्त किया है। गुरुवार रात कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा जारी किए गए आदेश के मुताबिक, महेश दीक्षित का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से अगले दो साल तक का होगा। इस अहम नियुक्ति के साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा और खुफिया तंत्र को एक बेहद अनुभवी और कड़क अधिकारी का नेतृत्व मिल गया है।

कश्मीर मामलों और काउंटर-टेररिज्म के माने जाते हैं एक्सपर्ट: डॉक्टर से आईपीएस अधिकारी बने महेश दीक्षित आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के तेज-तर्रार अफसर हैं। उनके पास काउंटर-टेररिज्म (आतंकवाद विरोधी अभियानों) का एक लंबा और शानदार अनुभव है। दीक्षित को विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के मामलों का गहरा जानकार माना जाता है। इंटेलिजेंस ब्यूरो चीफ बनने से पहले उन्होंने लद्दाख में आईबी के ऑपरेशंस की कमान भी बेहद कुशलता के साथ संभाली है। इसके अलावा वह कश्मीर सब्सिडियरी इंटेलिजेंस ब्यूरो के प्रमुख के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

आर्टिकल 370 हटने के बाद निभाई थी सबसे अहम भूमिका: महेश दीक्षित के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक अगस्त 2019 का वह दौर है, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था। उस समय घाटी के हालात बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण थे। ऐसे नाजुक वक्त में दीक्षित ने ही खुफिया तंत्र की कमान संभालते हुए जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था को नियंत्रण में रखने और किसी भी तरह की बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने में सबसे अहम भूमिका निभाई थी। उनकी इसी काबलियत और ग्राउंड जीरो की गहरी समझ ने उन्हें इस शीर्ष पद तक पहुंचाया है।

तपन डेका की जगह संभालेंगे देश की खुफिया कमान: नए आईबी चीफ के तौर पर महेश दीक्षित हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी तपन डेका की जगह लेंगे। तपन डेका साल 2022 से इंटेलिजेंस ब्यूरो के प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब महेश दीक्षित के हाथों में देश के इस सबसे अहम खुफिया संस्थान की कमान होगी, जिनके सामने बदलती वैश्विक परिस्थितियों और सीमा पार से होने वाली साजिशों से निपटने की बड़ी चुनौती होगी।

7 लाख के कबाड़ और पिकअप जब्त, कारोबारी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । रायगढ़
26 जून (ब्यूरो)

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में जिले में संचालित ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पूंजीपथरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम पूंजीपथरा बस्ती में दबिश देकर अवैध कबाड़ से लोड एक पिकअप वाहन को जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि पूंजीपथरा गांव और आसपास के क्षेत्रों में एक व्यक्ति अवैध रूप से कबाड़ की खरीदी-बिक्री कर रहा है। सूचना पर तत्काल थाना साइबर और थाना पूंजीपथरा पुलिस टीम ने ग्राम पूंजीपथरा बस्ती में दबिश दी, जहां पिकअप वाहन क्रमांक CG13UJ2186 में कबाड़ खरीदते हुए एक व्यक्ति मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम बलवंत सारथी, पिता सुंदरलाल सारथी, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम हाटी, थाना छाल, जिला रायगढ़ बताया। वाहन में लोड कबाड़ के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहने पर आरोपी कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका।

जांच के दौरान वाहन में लगभग 2.85 टन कबाड़, जिसकी अनुमानित कीमत ?85,500 संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। चोरी की संपत्ति होने के संदेह पर पुलिस ने गवाहों की उपस्थिति में उक्त कबाड़ तथा लगभग 6 लाख मूल्य के पिकअप वाहन CG 13 AZ सहित कुल 6,85,500 मूल्य की संपत्ति विधिवत जब्त कर पुलिस कब्जे में ली। मामले को लेकर थाना पूंजीपथरा में आरोपी बलवंत सारथी पिता सुंदर लाल सारथी 40 वर्ष निवासी ग्राम हाटी थाना छाल के विरुद्ध धारा 35(क), 35(ड) BNSS एवं धारा 303(2) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। संपत्ति संबंधी अपराधों में अंकुश लगाने की दिशा में रायगढ़ पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध कबाड़ कारोबार, चोरी की संपत्ति के क्रय-विक्रय तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध आगे भी सघन अभियान जारी रहेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद: ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने दिया इस्तीफा

» प्रथम न्यूज । अयोध्या
26 जून (ब्यूरो)

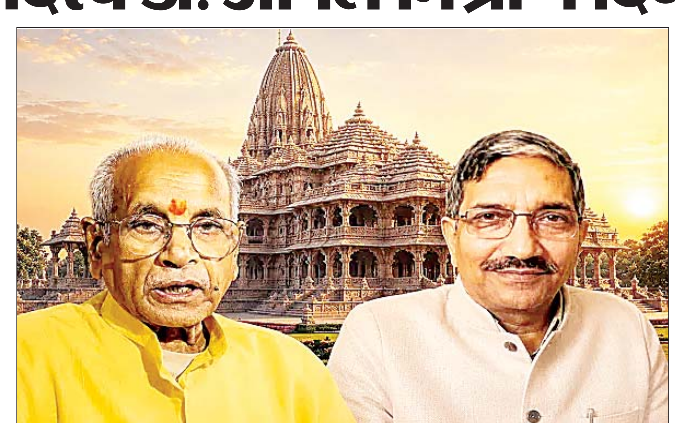

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले ने शुक्रवार को नया मोड़ ले लिया। एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। बताया जा रहा है कि जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों ने जांच पूरी होने तक अपने दायित्वों से अलग रहने का फैसला किया है।

इस बीच ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने कहा कि उन्हें इस्तीफों से जुड़ी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। हालांकि ट्रस्ट और जांच एजेंसियों की गतिविधियों पर पूरे देश की नजर बनी हुई है।

19 दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर

चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के 19 दिन बाद और एसआईटी की सिफारिश के दो दिन बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। मामला ट्रस्ट महासचिव चम्पत राय के चालक रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के रिश्तेदार अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, गणना कर्मी मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है। सभी पर सुनियोजित साजिश के तहत चढ़ावे की राशि और कीमती सामान में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया है।

करोड़ों की नकदी और जेवरात में गड़बड़ी की पुष्टि

एसआईटी की प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की नकदी तथा सोने-चांदी के आभूषणों में कथित हेरफेर की पुष्टि होने का दावा किया गया है। जांच के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये की बरामदगी भी की गई। अब विस्तृत विवेचना के बाद यह स्पष्ट होगा कि कुल कितनी राशि और कितने मूल्य के जेवरात व अन्य बहुमूल्य धातुएं गायब हुईं।

सीसीटीवी फुटेज बने अहम साक्ष्य

जांच एजेंसियों के अनुसार मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज में कई आरोपी कथित तौर पर चोरी करते दिखाई दिए हैं। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू को पूरी साजिश का प्रमुख सूत्रधार माना जा रहा है। आरोप है कि गणना ड्यूटी और व्यवस्थाओं का लाभ उठाकर अन्य लोगों को भी इस कथित षड्यंत्र में शामिल किया गया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, बरामद सामग्री और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

आठ आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजने की तैयारी

चढ़ावा चोरी प्रकरण में पुलिस ने नामजद सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेज कर दी गई है और एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट को भी विवेचना का हिस्सा बनाया जाएगा।

अधिकारियों का दावा है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

उधर, विपक्षी दलों ने एफआईआर में ट्रस्ट के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी का नाम शामिल न किए जाने पर सवाल उठाए हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बैंक घोटाला मामला

हरियाणा सरकार ने IAS पंकज अग्रवाल को किया निलंबित

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- हरियाणा सरकार ने वरिष्ठ IAS अधिकारी पंकज अग्रवाल (2000 बैच) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) द्वारा दर्ज कथित भ्रष्टाचार और बैंकिंग वित्तीय अनियमितता मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद की गई। सरकार ने यह निर्णय अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम 3(2) के तहत लिया है।

CBI के अनुसार, मामला IDFC FIRST Bank और U AU Small Finance Bank से जुड़े सरकारी खातों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। जांच एजेंसी का आरोप है कि हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (HSSPP) तथा हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (HSAMB) के खातों से जुड़े लेन-देन में नियमों का उल्लंघन हुआ। मामले में करीब 60.54 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी की जांच की जा रही है। मुख्य सचिव कार्यालय के आदेश के अनुसार, CBI ने 8 अप्रैल 2026 को FIR संख्या RC2212026E0005 दर्ज की थी। इससे पहले यह मामला हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज था, जिसे बाद में CBI को सौंप दिया गया। जांच शुरू करने से पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17(ए) के तहत राज्य सरकार से आवश्यक अनुमति भी प्राप्त की गई। सरकारी आदेश के मुताबिक, पंकज अग्रवाल को 22 जून 2026 को हिरासत में लिया गया था और 48 घंटे से अधिक समय तक हिरासत में रहने के कारण उन्हें नियमों के अनुसार निलंबित माना गया। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है और CBI बैंक अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले में अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।